फाल्गुन कृष्ण पक्ष -8-9, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 217 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
10 फरवरी 2026 मंगलवार

आज का मौसम
29.4 अधिकतम
12.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

अनिल अंबानी की पत्नी टीना से ईडी करेगी पूछताछ

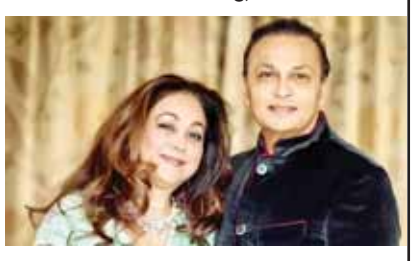

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) जल्द ही रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए नया समन जारी करेगा। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने आज को दी। फिल्म अभिनेत्री रह चुकीं टीना को एजेंसी ने सोमवार को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन वह पेश नहीं हुईं। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी उन्हें फिर से बुलाएगी। माना जा रहा है कि उन्हें न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी कॉन्डोमिनियम खरीदने से जुड़े मनी ट्रेल के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

सीआरपीएफ कैंप में मिला जवान का कंकाल, 43 दिनों से था गायब

नीमच। नीमच स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय (सीटीसी) परिसर में झाड़ियों में मानव कंकाल मिलने से सनसनी फैला गई। इस बीच कंकाल की पहचान एक लापता जवान के स्वजन ने की। उन्होंने पास मिले मोबाइल फोन, कपड़े, जूते और अंगूठी से पहचान की। उक्त जवान संदिग्ध परिस्थितियों में 43 दिनों से कैंप से लापता था। जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ परिसर में रविवार सफाई कराई जा रही थी। झाड़ियों की सफाई के दौरान मानव कंकाल मिला।

अमेरिका में चलती सड़क पर प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग

जॉर्जिया। अमेरिका के जॉर्जिया में एक छोटा विमान बीच सड़क पर लैंड हुआ। इसके बाद वह कई गाड़ियों से टकराया। पुलिस के मुताबकि, इस एयरक्राफ्ट में एयरपोर्ट तक जाने के लिए पावर ही नहीं बची थी। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है, जिसमें प्लेन बिजी सड़क पर लैंड करता हुआ और फिर कई गाड़ियों से टकराता हुआ दिख रहा है। पुलिस ने कहा कि इस हादसे में कई लोगों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि लैंडिंग के बाद, एयरक्राफ्ट का दाहिना विंग एक गाड़ी से टकरा गया और प्लेन का फ्यूल टैंक गाड़ी में जा घुसा।

शक्तिपीठ की कलश यात्रा में भगदड़, एक महिला की मौत

ग्वालियर। डबरा में नवग्रह शक्तिपीठ की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दस दिवसीय आयोजन के पहले दिन निकाली गई कलश यात्रा में आज भगदड़ मचने से एक महिला की मौत हो गई है। कई महिलाएं ग्वालियर रेफर की गई हैं। वहीं इस हादसे में कुछ और मौत की अफवाह भी है। हालांकि अभी इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि डबरा में आज ही से नवग्रह शक्तिपीठ मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू हुआ है, जो 20 फरवरी तक चलेगा।

एपस्टीन फाइल्स में खुलासे...

एपस्टीन की 'उन्मादी' पार्टियों में शामिल हुए थे मस्क-जुकरबर्ग

डर्टी एपस्टीन फाइल्स

देखें पेज-8

आज का कार्टून

हंगामे की भेंट चढ़ रहा सत्र
पांच मिनट भी नहीं चली कार्यवाही, शोर-शराबे के बीच लोकसभा फिर स्थगित

पूर्व आर्मी चीफ की पुस्तक को लेकर आमने - सामने सरकार और विपक्ष

किताब पर रार, पेंगुइन ने कहा... छपी ही नहीं राहुल का सवाल-पब्लिशर झूठा या नरवणे

नईदिल्ली, एजेंसी

बजट सत्र के 10वें दिन आज भी लोकसभा में कार्यवाही नहीं हो सकी। 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। महज 1 मिनट बाद चेयर पर मौजूद पीसी मोहन ने सदन स्थगित कर दिया। इससे पहले लोकसभा के बाहर जनरल नरवणे की किताब पर विवाद को लेकर राहुल गांधी ने कहा - या तो पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर प्रकाशक पेंगुइन। राहुल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नरवणे झूठ नहीं बोलेंगे। लोकसभा परिसर में राहुल गाँधी ने जनरल नरवणे कि एक्स पर मेसेज का जिक्र किया। इसमें कथित रूप से कहा गया है किताब उपलब्ध है और राहुल का यह बयान पब्लिशिंग कंपनी पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के उस स्पष्टीकरण के बाद आया, जिसमें कहा गया है कि नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है। पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। पेंगुइन कंपनी ने कहा- अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। हमारी तरफ से किताब का कोई भी हिस्सा कहीं भी सार्वजनिक नहीं किया गया है। कंपनी की सफाई इसलिए आई, क्योंकि बुक की अनअथॉराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सर्कुलेशन का दावा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने स्नढ्ढक्रभी दर्ज की है। दरअसल, राहुल गांधी पूर्व आर्मी चीफ की किताब लेकर लोकसभा जा रहे हैं। पूरा विपक्ष इस बात पर अड़ा है कि उन्हें सदन में बोलने दिया जाए। इसे लेकर ही कार्यवाही के शुरू होते ही सांसद नारेबाजी करते हैं। राहुल सदन में इस किताब में से वे अंश पढ़ने पर अड़े हैं जिसमे भारत और चीन की सेना कि आमने सामने होने कि घटनाक्रम का कथित रूप से जिक्र है।

फिजिकल पब्लिकेशन जरूरी नहीं: कार्ति

सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा, 'जब कोई किताब लिखी जाती है, तो उसे क्रिटिक्स के बीच बड़े पैमाने पर सर्कुलेट किया जाता है, रिव्यू के लिए दिया जाता है, इसलिए बहुत से लोगों तक इसकी पहुंच होती है। उनका यह कहना कि किताब लीक हो गई है, मुझे नहीं पता कि वे इस मामले में क्या करने वाले हैं। आज, पब्लिकेशन का मतलब फिजिकल पब्लिकेशन नहीं है; इसका मतलब पब्लिक डोमेन में पब्लिकेशन भी है। फेसबुक पर एक ट्वीट या पोस्ट भी पब्लिकेशन है। यह इस सरकार के तहत लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों का एक और गलत काम है। '

राहुल पर एक्शन हो - निशिकांत

पूर्व आर्मी चीफ किताब के सर्कुलेशन की जांच के लिए एफआईआर फाइल करने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, 'पेंगुइन ने एक स्टेटमेंट जारी किया है जिसमें कहा गया है कि किताब प्रिंट या रिलीज नहीं हुई है और वे एक्शन लेंगे। संसद में नियम हैं, और कोई इसे गुमराह नहीं कर सकता। अगर पब्लिशर कहता है कि किताब पब्लिश नहीं हुई है, तो वह कौन सी किताब दिखा रहा है? मैं स्पीकर से राहुल गांधी और इन सोरोस एलिमेंट के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की रिक्वेस्ट करता हूं जो देश को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

टाइपसेट पीडीएफ कॉपी वायरल

पुलिस के मुताबिक इस किताब के पब्लिकेशन के लिए अभी संबंधित अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी नहीं मिली है। पुलिस जांच में सामने आया कि इसी टाइटल वाली किताब की PDF कॉपी कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध थी। आशंका जताई गई है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने जो कॉपी तैयार की थी, यह वही हो सकती है। इसके अलावा, कुछ ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म्स पर किताब के कवर को इस तरह दिखाया गया, जैसे वह खरीद के लिए उपलब्ध हो। इस पूरे मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने केस दर्ज किया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अप्रकाशित और बिना मंजूरी वाली किताब की सामग्री कैसे सार्वजनिक हुई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

पास में पड़ी थी एसिड बॉटल, चार महीने पहले लिया था एडमिशन, आलीराजपुर की रहने वाली थी रोशनी

गांधी मेडिकल कॉलेज की छात्रा का बाथरूम में मिला शव

भोपाल। घटना की सूचना मिलने के बाद मॉर्चुरी के बाहर एकत्रित छात्र।

भोपाल. एजेंसी

यहां के प्रतिष्ठित गांधी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की छात्रा रोशनी की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में बाथरूम में लाश मिली है। पास ही एसिड की एक बॉटल पड़ी हुई थी। रोशनी ने अक्टूबर 2025 में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर में एडमिशन लिया था और वे डे-स्कॉलर थीं। पता चला है कि कोहेफिजा थाना क्षेत्र के एक पीजी में रह रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक पीजी में जब वह सुबह कॉलेज के लिए अपने कमरे से बाहर नहीं निकली, तो साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को को अनहोनी की आशंका हुई।

साथी छात्रों के मुताबिक, रोशनी को कई बार आवाज देने और फोन कॉल करने के बावजूद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो पीजी के गार्ड को सूचना दी गई। इसके बाद पहले कमरे और फिर बाथरूम का दरवाजा तोड़ा गया। वहां का दृश्य देखकर सभी सकते में आ गए। वहां रोशनी अचेत अवस्था में पड़ी हुई थी। पीजी में रहने वाली छात्राओं ने बताया कि रोशनी के पास एक खाली एसिड की बोतल भी पड़ी हुई थी, जिससे स्थिति और गंभीर लगने लगी। तत्काल कॉलेज प्रबंधन को सूचना दी गई। रोशनी को सुबह करीब 8:30 बजे हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग ले जाया गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर्स ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

रोशनी ने पिछले साल अक्टूबर में गांधी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस फर्स्ट ईयर में दाखिला लिया था। वह आलीराजपुर की रहने वाली थी। साथी छात्रों ने बताया कि वह हाल ही में, बीते सप्ताह ही घर से लौटकर आई थी। वह पढ़ाई को लेकर गंभीर और शांत स्वभाव की थी। फिलहाल रोशनी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्यूरी भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की सूचना परिजनों को दे दी है। घटना को लेकर कोहेफिजा पुलिस जांच कर रही है। मौत के कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

चुनाव के समय आती हैं याचिकाएं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान और एक वीडियो विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है। सीएम सरमा पर लगाए गए आरोपों पर मुख्य न्यायाधीश सीजेआई ने प्रतिक्रिया देते कहा कि चुनाव के समय ऐसे मामलों का अदालत में आना आम बात है। उन्होंने टिप्पणी की कि जब चुनाव आते हैं, तो चुनाव का एक हिस्सा सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाने लगता है। यही समस्या है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हम इस पर विचार करेंगे। मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी का मतलब है कि कोर्ट इस याचिका को देखेगा और मामले की जांच करेगा।

राजेंद्र शुक्ला को पुष्पांजलि

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की जयंती पर विधानसभा परिसर में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा कई घरों में लगाई आग

इंफाल। मणिपुर के उखरुल जिले में हथियारबंद उग्रवादियों ने कई घरों में आग लगा दी और गोलीबारी की। यह घटना तांगखुल नगा समुदाय के एक सदस्य पर हमले को लेकर तनाव बढ़ने के बीच हुई। हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने जिले में 5 दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं सस्पेंड कर दी हैं। पुलिस के अनुसार, लिटान सारेइखोंग इलाके में हुई गोलीबारी और आगजनी की यह घटना एक दिन पहले दो तांगखुल नगा संगठनों द्वारा उखरुल और कामजोंग जिलों में कुकी समुदाय की आवाजाही पर पाबंदी लगाए जाने के बाद हुई।

मथुरा में सामूहिक आत्महत्या से सनसनी

परिवार के पांच लोगों ने दूध में मिलाकर खा लिया जहर

मथुरा. एजेंसी

मथुरा के महावन क्षेत्र में एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पति-पत्नी और बच्चों ने दूध में मिलाकर जहर पीया था।

आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट भी लिखा गया। सूचना मिलते ही

एसएसी और डीआईजी मौके पर पहुंच गए हैं। इस परिवार के आत्महत्या के पीछे की आखिर वजह क्या रही, ये फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

मेट्रो एंकर
बचपन में देखा सपना संघर्ष के साथ हुआ पूरा, युवाओं के लिए प्रेरणा

अखबार पढ़कर सुनाती थी मां, बेनो बन गईं पहली नेत्रहीन IFS अफसर

चेन्नई. एजेंसी

पक्का इरादा और हार न मानने का जज्बा हो तो बड़ी से बड़ी मुश्किल भी राह नहीं रोक सकती। चेन्नई के एक साधारण से परिवार से आने वाली बेनो जेफिन अजगिरी की कहानी इसकी मिसाल है। बेनो का जन्म 19 अप्रैल 1990 को हुआ था। घर में बेटी के आने से खुशी का माहौल था। बेटी ने आंखें तो खोलीं लेकिन कभी उनसे दुनिया नहीं देख पाई। बावजूद इसके माता-पिता ने बेटी को नाजों से पाला। कभी नेत्रहीन होने का अहसास तक होने नहीं दिया। आज वही बेटी भारतीय विदेश सेवा की अफसर है।

बेनो जेफिन के पिता ल्यूक एंथन चार्ल्स भारतीय रेलवे में कर्मचारी रह चुके हैं, जबकि उनकी मां मैरी पद्मजा एक गृहणी हैं। उनकी स्कूलिंग चेन्नई के स्थित लिटिल फ्लावर कॉन्वेन्ट हायर सेकंडरी स्कूल से हुई। स्कूल में स्पीच कॉम्पिटिशन में वे फर्स्ट आती थीं। एक इंटरव्यू में बेनो जेफिन ने कहा था,

'मेरे परिवार ने कभी भी मुझे दिव्यांग होने का अहसास नहीं दिलाया। मेरा स्कूल जीवन बहुत ही अच्छा गुजरा और मेरे स्कूल में सभी शिक्षकों ने मेरा हर मोड़ पर साथ दिया।'

बचपन से था सिविल सेवा का सपना

बेनो ने स्कूल के दिनों मेंतय कर लिया था कि आगे सिविल सेवा में जाना है। हालांकि उनके लिए यह आसान नहीं था। उन्होंने ब्रेल लिपि सीखी। उसी में पढ़ाई की। स्कूल से निकलने के बाद स्टेला मैरिस कॉलेज, चेन्नई से इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर में बैचलर डिग्री हासिल की। फिर लोयोला कॉलेज से साल 2013 में मास्टर्स की डिग्री हासिल की। उन्होंने कॉलेज से निकलते ही देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। ब्रेल में लिखी किताबों को ढूंढा। कंप्यूटर में ऐसे सॉफ्टवेयर डलवाए जो आवाज पर काम करते हैं, उन्हें सुनकर इंटरनेट के जरिए स्टडी मैटेरियल निकाला और उनसे तैयारी की। बेनो को हर मोड़ पर अपने माता-पिता के साथ मिला। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी मां पद्मजा उन्हें अखबार पढ़कर सुनाती थीं। घंटों-घंटों किताबें पढ़कर सुनाती थीं। ऐसा कोई दिन नहीं छूटता जब मां अखबार पढ़कर न सुनाए। वहीं पिता ब्रेल में उपलब्ध स्टडी मैटेरियल लाते थे। इसके अलावा बेनो टीवी पर न्यूज सुनती थीं।

और, जीत ली दुनिया

कॉलेज से निकलने के अगले साल यानी 2014 में बेनो जेफिन ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा दी। इस परीक्षा का परिणाम 2025 में घोषित हुआ। अपने पहले ही अटेंप्ट में बेनो ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 343वीं रैंक हासिल की। यह उनके और उनके परिवार के लिए दुनिया जीतने से कम नहीं था। वे इंडियन फॉरेन सर्विस (IFS) अफसर हैं। वे आज इंडोनेशिया की राष्ट्रीय राजधानी जकार्ता में फर्स्ट सेक्रेटरी (कॉमर्शियल एंड पॉलिटिकल) पद पर तैनात हैं। उन्हें साल 2025 में जकार्ता में स्थित इंडिनय एंबेसी में पोस्टिंग मिली थी। इससे पहले वे तीन साल भारतीय उच्चायोग, कुआलालंपुर में फर्स्ट सेक्रेटरी (सूचना/राजनीतिक/नीति योजना), तीन साल विदेश मंत्रालय में अंडर सेक्रेटरी (नीति योजना और अनुसंधान प्रभाग) और 2 साल पेरिस में थर्ड सेक्रेटरी (लैंग्वेज ट्रेनी) पद पर रह चुकी हैं।

खेतों में सीवेज का पानी बहाने पर एनजीटी सख्त

कैंसर और अन्य बीमारियों का खतरा, केस भोपाल बेंच को भेजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार क्षेत्र में स्थित एक निजी डेंटल और आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज द्वारा खेतों में सीवेज का पानी छोड़ने को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में हिनोतिया आलम निवासी रामलाल मीणा ने याचिका लगाई थी। उन्होंने याचिका में बताया कि इस दूषित पानी के कारण क्षेत्र की 20 प्रतिशत आबादी पर कैंसर और अन्य जानलेवा बीमारियों का संकट मंडरा रहा है। एनजीटी की प्रिंसिपल बेंच ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसे सुनवाई के लिए स्वीकार किया है और मामला भोपाल से जुड़ा होने के चलते इसे सेंट्रल जोन बेंच, भोपाल को स्थानांतरित कर दिया है।

कोलार रोड स्थित ग्राम हिनोतिया आलम निवासी रामलाल मीणा ने एनजीटी में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि पास में ही बने एक निजी डेंटल और आयुर्वेदिक कॉलेज से निकलने वाला भारी मात्रा में दूषित सीवेज बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे खुले खेतों में बहाया जा रहा है। यह गंदा पानी खेतों से होता हुआ मिलन कॉलोनी, फॉर्च्यून स्टेट कॉलोनी और कोलार के इस्कॉन मंदिर तक पहुंच रहा है। याचिकाकर्ता का दावा है कि इसी सीवेज के पानी से लगभग 130 एकड़ भूमि की सिंचाई की जा रही है, जिससे पैदा होने वाली सब्जियां, गेहूं और चावल भोपाल की 20 प्रतिशत आबादी तक पहुंच रहे हैं। शिकायत में कहा है कि इस दूषित पानी के कारण आसपास की कालोनियों के बोरवेल पूरी तरह प्रदूषित हो चुके हैं। पानी से भयंकर दुर्गंध आ रही है और लोग कैंसर, हैजा, टाइफाइड, मलेरिया, किडनी-लिवर की बीमारियों और त्वचा रोगों का शिकार हो रहे हैं। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि कॉलेज में रहने वाले लगभग 700 छात्र-छात्राओं और स्टॉफ का मलमूत्र सीधे खेतों में बहाया जा रहा है, जिससे संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

सुनवाई अब 12 मार्च को भोपाल बेंच में होगी

मामले की अगली सुनवाई अब 12 मार्च को भोपाल बेंच में होगी। याचिका में कालेज पर भारी जुर्माना लगाने के साथ ही सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की उचित व्यवस्था न होने तक कालेज के संचालन पर तत्काल रोक लगाने और अवैध रूप से बनाई गई उस नाली को भी बंद करने की मांग की है।

एनजीटी के निर्देश पर भदभदा क्षेत्र में घर तोड़ने पहुंचा अमला

प्रशासन ने बड़े तालाब के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) के 50 मीटर के दायरे में बने अवैध घरों पर जेसीबी चलाई। प्रशासन के सामने 9 परिवारों ने तो बिना विरोध किए घर खाली कर दिए, लेकिन 24 परिवार विरोध में खड़े हो गए। प्रशासन के एनजीटी के आदेश दिखाने पर लोग भी दस्तावेज लेकर सामने आ गए। लोगों ने आरोप लगाए कि यह तो वक्फ बोर्ड की जमीन है। हमने न्यायालय में अपील की है। भारी विरोध के बीच नगर निगम ने 9 घरों समेत डिपो से लेकर प्रेमपुरा घाट तक अस्थायी अतिक्रमण हटा दिए। हालांकि प्रशासन ने शेष अतिक्रमण कारियों को एक सप्ताह का समय दिया है। एनजीटी के 50 मीटर दायरे को अतिक्रमण मुक्त करने के आदेश प्रशासन को दिए हैं। इसके तहत प्रेमपुरा घाट के पास स्थित मस्जिद के पास 35 परिवार रहते हैं। यह सभी एफटीएल के दायरे में आते हैं। प्रशासन का अमला पुलिस बल के साथ सोमवार दोपहर भदभदा कार्रवाई करने पहुंचा। प्रशासन ने सभी 35 परिवारों को एनजीटी का आदेश दिखाया। इस पर लोगों ने साल 1930 के 'वक्फ बोर्ड' के दस्तावेज सामने रख दिए। इसमें जमीन को वक्फ बोर्ड का बताया गया। इनमें से 9 परिवार बिना किसी विरोध के घर छोड़कर चले गए, जबकि 24 परिवारों के कोर्ट चलने जाने के कारण प्रशासन ने बीच में कार्रवाई रोक दी। हालांकि अपनी मर्जी से घर खाली करने वालों के घरों को तोड़ दिया। इसके साथ डिपो चौराहा से लेकर भदभदा चौराहा और प्रेमपुरा घाट रोड के अस्थायी अतिक्रमणों को हटा दिया।

इसलिए बनाया था साइकिल ट्रैक?

होशंगाबाद रोड पर बने साइकिल ट्रैक की हालत बेहाल...

भोपाल के प्रमुख मार्ग होशंगाबाद रोड पर नगर निगम द्वारा साइकिल चालकों की सुविधा के लिए बनाए गए साइकिल ट्रैक अब खुद ही हादसों को न्योता दे रहे हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए ये साइकिल ट्रैक आज बदहाली का शिकार हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। साइकिल ट्रैक पर जगह-जगह बड़े-बड़े डिवाइडर टूटकर बीच सड़क पर पड़े हुए हैं, जिससे साइकिल चालकों के साथ-साथ दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर ट्रैक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे उसका उपयोग करना जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम की लापरवाही के कारण साइकिल ट्रैक की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। न तो टूटे डिवाइडरों को हटाया जा रहा है और न ही ट्रैक की मरम्मत की जा रही है। रात के समय यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है, जब अंधेरे में डिवाइडर नजर नहीं आते और हादसों की आशंका बनी रहती है। शहर में पर्यावरण संरक्षण और फिट इंडिया जैसे अभियानों की बात करने वाला प्रशासन अपने ही बनाए साइकिल ट्रैक की सुध लेना भूल गया है। यदि समय रहते मरम्मत और रखरखाव नहीं किया गया, तो यह साइकिल ट्रैक सुविधा नहीं बल्कि दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है। अब सवाल यह है कि क्या नगर निगम जिम्मेदारी लेगा? या किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा प्रशासन। शहरवासियों ने मांग की है कि होशंगाबाद रोड के साइकिल ट्रैक की तत्काल मरम्मत कर टूटे डिवाइडरों को हटाया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

पुलिस का मास्टर प्लान

अब साइबर मुख्यालय में बैठेंगे बैंकों के प्रतिनिधि

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

साइबर ठगी की घटनाओं में राशि तुरंत होल्ड करने के लिए साइबर पुलिस मुख्यालय नई व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। यहां बनाए गए मिटिगेशन केंद्र में बैंकों के प्रतिनिधियों को भी बैठाने की तैयारी है, जिससे ठगी गई राशि तुरंत होल्ड करने में मदद मिल सके।

प्रतिनिधियों के बैठने से फोन और ई-मेल पर जाने वाला समय बचेगा। पुलिस और बैंक प्रतिनिधि एक जगह रहने से समन्वय भी बेहतर रहेगा। वे तुरंत एक-दूसरे को जानकारी साझा कर सकेंगे। इससे राशि को सात-आठ लेयर तक रोकने में सफलता मिल सकेगी।

बता दें कि मिटिगेशन सेंटर लगभग छह माह से काम कर रहा है। अब इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आइ4सी) के साइबर फ्राड मिटिगेशन सेंटर की तरह तैयार किया जा रहा है। साइबर पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि उन बैंकों के प्रतिनिधियों को बैठाने का प्रयास किया जा रहा है, जिनमें ठगी की राशि अधिक पहुंच रही है। प्राथमिकता के अनुसार ऐसे करीब 20 बैंकों का नाम चिह्नित किया गया है। इसके अतिरिक्त पांच डिजिटल पेमेंट बैंक के प्रतिनिधियों को भी बैठाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार साइबर ठगी की शिकायतें सुबह के समय अधिक आती हैं, इसलिए बैंक प्रतिनिधि सुबह की पाली में ही दो से चार घंटे के बीच बैठेंगे। इसके अतिरिक्त टेलीकाम कंपनियों से भी साइबर मुख्यालय का अनुबंध है जिससे मोबाइल नंबर धारक की जानकारी तुरंत मिल जाती है।

35 प्रतिशत तक राशि होल्ड कराने का है लक्ष्य

एसपी साइबर मुख्यालय प्रणय नागवंशी ने बताया कि अभी हम 22 प्रतिशत तक राशि होल्ड करा रहे हैं, जिसे बढ़ाकर 35 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। इसके लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मिटीगेशन सेंटर को भी सुदृढ करने का प्रस्ताव है। देश में सर्वाधिक राशि होल्ड कराने के मामले में मध्य प्रदेश अभी छठवें क्रम पर है। 35 प्रतिशत तक राशि होल्ड होने पर पहले-दूसरे नंबर पर आ सकता है। बता दें कि वर्ष 2025 में साइबर ठगी की 55 हजार 659 शिकायतें आई थीं। इनमें 634 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी, जिसमें 137 करोड़ रुपये होल्ड कराने में सफलता मिली थी।

साहित्यकार का काम समाज को दिशा देना है : डॉ. उमेश कुमार सिंह

दुष्यन्त संग्रहालय में डॉ. गौतम की काव्य कृतियां लोकार्पित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी डॉ. उमेश कुमार सिंह ने कहा कि साहित्यकार का काम समाज को दिशा देना है। साहित्यकार का व्यक्तित्व उसके कृतित्व में झलकता है। साहित्य में राष्ट्र और समाज की चिंता सर्वोपरि है। वे साहित्यकार डॉ. आनन्द कुमार सिंह गौतम की कृतियों 'ओस की बूंदे' काव्य संग्रह एवं 'कुछ यादों का कारवां' मुक्तक

संग्रह के लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत के संचालन में कार्यक्रम हुआ। स्वागत उदबोधन संस्था की और से वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार जैन ने दिया और मंचस्थ अतिथियों का शॉल श्रीफल एवं पुष्पहार से स्वागत किया। इस अवसर पर कृति केंद्रित समीक्षा वरिष्ठ साहित्यकार कांता रॉय एवं सतीश चंद्र श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवीदास बामने एवं आरके सिंह ने भी अपने विचार प्रकट किये। रचनाकार डॉ गौतम ने अपनी सृजन प्रक्रिया के बारे में अपने अनुभव साझा करते हुए संग्रहों की चुनिंदा रचनाओं का वाचन किया। विनोद कुमार जैन ने सभी का आभार प्रकट किया।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में हुआ आयोजन

भारतीय ज्ञान परंपरा पर विचार संगोष्ठी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में भारतीय ज्ञान परंपरा और संचार विषय पर शोधपरक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ आईक्यूएसी और स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के संचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो। डॉ संजय द्विवेदी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल सूचना प्रसार तक सीमित नहीं, बल्कि समाज में नैतिकता, संवेदनशीलता और लोकमंगल की भावना को मजबूत करती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संचार के दौर में भारतीय दृष्टिकोण का अध्ययन और पुनर्पाठ समय की जरूरत है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन की विभागाध्यक्ष प्रो। अनु श्रीवास्तव ने की। व्याख्यान में प्रो। द्विवेदी ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक संचार से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और धन्यवाद ज्ञापन के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

आयुष ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय सम्मेलन

एआई से होम्योपैथी चिकित्सा को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हम मोबाइल फोन को अपडेट करते हैं, लेकिन अपने ज्ञान और सोच को अक्सर पीछे छोड़ देते हैं। यही बात भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एके द्विवेदी ने कही। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को सकारात्मक रूप से अपनाकर होम्योपैथी चिकित्सा को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। हेल्दी वर्ल्ड विजन फाउंडेशन ने आयोजित इस सम्मेलन में एनीमिया जागरूकता अभियान को अस्पतालों से बाहर निकालकर घर-घर तक ले जाने और इसे राष्ट्रीय जनआंदोलन बनाने का रोडमैप भी सामने आया।

पंडित खुशीलाल शर्मा आयुष ऑडिटोरियम में नेशनल होम्योपैथी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देशभर से होम्योपैथी चिकित्सक, मेडिकल छात्र, शोधकर्ता और विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य होम्योपैथी चिकित्सा को आधुनिक तकनीक, शोध और जनजागरूकता से जोड़ना रहा।

सम्मेलन के प्रमुख वक्ता डॉ. एके द्विवेदी ने कहा कि आज के दौर में चिकित्सा को तकनीक से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि हम अपने मोबाइल को तो समय-समय पर अपडेट करते हैं, लेकिन खुद को अपडेट करना भूल जाते हैं। डॉ. द्विवेदी ने चिकित्सकों और विद्यार्थियों से अपील भी की कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को डर के बजाय अवसर के रूप में देखें। इ के सही उपयोग से मरीजों की मॉनिटरिंग, केस एनालिसिस और उपचार की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सकता है।

एनीमिया अभियान बनेगा राष्ट्रीय आंदोलन

डॉ. द्विवेदी ने बताया कि एनीमिया को लेकर सालों से चल रहा जागरूकता अभियान अब मध्यप्रदेश से निकलकर पूरे देश में फैलने जा रहा है। यह अभियान 27 साल पहले इंदौर से शुरू हुआ था और निरंतर जनसेवा, शोध और जागरूकता के कारण अब राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह केवल अभियान नहीं, बल्कि जनआंदोलन का रूप लेगा।

अप्लास्टिक एनीमिया के उपचार बने चर्चा का विषय

होमियोविजन-3 राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन में डॉ. द्विवेदी ने अप्लास्टिक एनीमिया से पूरी तरह स्वस्थ हुए मरीजों के उपचार प्रकरण प्रस्तुत किए। इन केस स्टडीज़ को देशभर से आए चिकित्सकों और छात्रों ने सराहा। उन्होंने बताया कि सही दवा, निरंतर फॉलोअप और समग्र दृष्टिकोण से गंभीर बीमारियों में भी सकारात्मक परिणाम संभव हैं।

मेट्रो एंकर — 64 देवी स्वरूपों को कैनवास पर जीवंत रूप देने वाली चित्रकार बीना उन्नीकृष्णन की प्रदर्शनी

जो भी दृश्य मेरे मन की आंखों ने देखा, उसे कैनवास पर उतारा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के मितावली गांव में स्थित 64 योगिनी मंदिर पर आधारित 64 देवी स्वरूपों को कैनवास पर जीवंत रूप देने वाली चित्रकार बीना उन्नीकृष्णन की चित्र प्रदर्शनी न केवल स्त्री शक्ति का परिचय दे रही है। बल्कि भारतीय संस्कृति के धर्म और दैवीय स्वरूप का उल्लेख करती दिख रही है। यह कहना था भारत भवन में चित्रों को देखने पहुंचे लोगों का। इधर, चित्रकार बीना ने कहा कि जो भी दृश्य मेरे मन की आंखों ने देखा, मैंने उसे ही कैनवास पर उतारा। मैंने 2015 में 64 योगिनी पर आधारित ये चित्र बनाने की शुरुआत की थी. जिसे पूरा करने में मुझे 5 साल लगे, ये सारे चित्र मेरी कल्पना की उपज हैं। जब भी मैंने ब्रश पकड़ा तो जो भी दृश्य मेरे मन की आंखों ने देखा, मैंने उसे ही कैनवास पर उतारा। सभी चित्रों में एक्रेलिक रंगों का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके सभी चित्र स्त्री ऊर्जा पर केन्द्रित हैं, जो कि अपने आप में एक कथा कहता हुआ है। महात्रिपुर सुंदरी को पेंट करने का काम शुरू किया था तभी मेरा सामना 64 योगिनी से हुआ। तभी मैंने इसकी शुरुआत की और इसे पूरा करने के बाद इस पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी तैयार की।

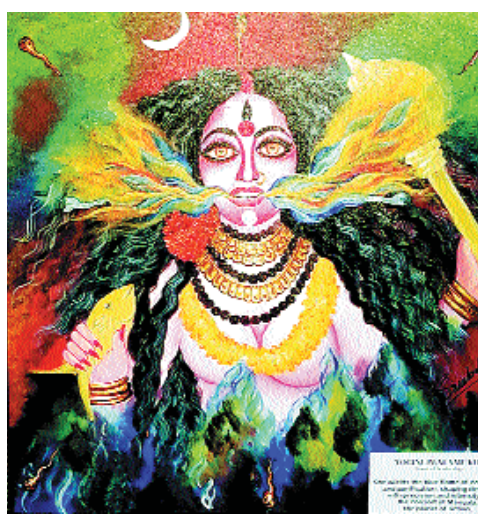

हॉक फोर्स के 60 जवानों को क्रम पूर्व पदोन्नति, सीएम बोले-

पुलिस की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनता के विश्वास ने क्षेत्र को नक्सल आतंक की जंजीरों से किया मुक्त

बालाघाट ने हिमालय जैसी कठिन चुनौती नक्सलवाद को घुटने टेकने किया मजबूर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बालाघाट के नाम में ही बल है। इस जिले ने अपने आत्मबल से ही हिमालय जैसी कठिन चुनौती नक्सलवाद का अंत करके दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल उन्मूलन का माहौल बना। मध्य प्रदेश पुलिस ने प्रभावशाली अभियान चलाकर नक्सलियों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और प्रदेश से लाल सलाम को आखरी सलाम किया। नक्सल उन्मूलन में हॉक फोर्स के वीर जवानों की भूमिका अभिनंदनीय है। उन्होंने हॉकफोर्स के 60 जवानों को क्रम पूर्व पदोन्नति दी। बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट में नक्सलियों द्वारा कभी खून की होली खेली गई, परंतु जवानों को वीरता, पुलिस की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनता के विश्वास ने क्षेत्र को नक्सल आतंक की जंजीरों से मुक्त किया।

नक्सल संस्मरण पुस्तक का किया विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में नक्सल मुठभेड़ में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले 60 जांबाज जवानों को क्रम से पूर्व पदोन्नति प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बालाघाट पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर सलामी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर प्रदेश की शांति और सुरक्षा के लिए शहीद होने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आईएसओ मानकों के अनुसार तैयार बालाघाट जिले के 32 पुलिस स्टेशनों और अन्य शासकीय कार्यालयों का रिमोट से लोकार्पण किया, इससे संबंधित प्रमाण पत्र भी मंच से प्रदान किए गए। इस अवसर पर पुलिस जवानों ने वो बांके अलबेले- जो वापस न लौटे- इस मिट्टी के बेटे गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सल संस्मरण पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका अभिवादन किया गया। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सांसद भारती पारधी, पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन, एडीजी नक्सल विरोधी अभियान वेंकटेश्वर राव, पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, विधायक गण तथा जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे।

कावरे की हत्या हमारे लिए चुनौती थी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह खेद का विषय है कि बालाघाट में पूर्व मंत्री लिखीराम कावरे की सरेआम हत्या कर दी गई थी। हमारे लिए यह बड़ी चुनौती थी, क्योंकि मध्य प्रदेश की 836 किलोमीटर लंबी सीमा छत्तीसगढ़ से लगती है। मध्य प्रदेश ने 38 पुलिस जवान और 27 आम नागरिक को खोया है। बाबा महाकाल के आशीर्वाद से राज्य सरकार ने नक्सलवादियों को जड़ से खत्म करने में सफलता प्राप्त की है। सघन जंगल के चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी हॉक फोर्स ने मेगाकासो रणनीति बनाकर नक्सलियों को खदेड़ा और 4 दुर्दांत नक्सलियों को मार गिराया। पिछले वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक 4104 नक्सल विरोधी अभियान, मानसून और जंगली जानवरों की चुनौतियों के बावजूद भी जारी रहे। हमारी फोर्स ने वर्ष 2025 में अब तक के 10 सर्वाधिक हार्ड कोर नक्सलियों को ढेर किया है। नक्सलियों से कहा गया था कि सरेंडर करो या मारे जाओगे, पुलिस ने राज्य सरकार की इस चेतावनी को वीर जवानों ने सार्थक कर दिखाया।

भार्गव को दिग्गी ने कांग्रेस में आने दिया था न्योता!

पूर्व मंत्री का दावा- मैंने कहा था... राजा साहब मैं टिकाऊ हूं बिकाऊ नहीं, 20 साल तक मन बांधा

सागर, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंत्री और रहली से वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव का एक बार फिर बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने अपने बयान में कांग्रेस से ऑफर आने की बात कही है। रहली में विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मंच को संबोधित करते हुए गोपाल भार्गव ने अपने राजनीतिक सफर, पार्टी के प्रति निष्ठा और वर्तमान परिस्थितियों को लेकर खुलकर बात की। संबोधन में पूर्वमंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि राजनीति में उपेक्षा किसी भी व्यक्ति को भीतर से तोड़ देती है। अगर किसी व्यक्ति की बात सरकार नहीं सुनती तो उसका मन टूट जाता है।

तो टूट जाता है हौंसला

उन्होंने कहा कि संघर्ष करता रहे, जूझता रहता रहे, अपनी मांगें रखता रहे। लेकिन सरकार नहीं माने तो शायद कोई भी आदमी होगा तो उसका हौंसला टूट जाएगा। उसकी ताकत खत्म हो जाएगी। मन गिर जाएगा। लेकिन मैंने 20 साल मन को बांधे रखा। कई मंत्री सहित मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह कहते थे गोपालजी वहां क्या रखा है बीजेपी में? कुछ नहीं है। आप हमारे पास आ जाओ, मैं आपको अच्छे विभाग का मंत्री बना दूंगा। लेकिन मैंने कहा कि राजा साहब एक बात कहता हूं, ये माल टिकाऊ है बिकाऊ नहीं है। मैं 20 साल रहा, लोग तो यहां 20 महीने में पलटी मार जाते हैं। लेकिन हमने कोशिश की। जब हमारी सरकार आएगी तो हम अपने क्षेत्र का विकास करवा लेंगे। जनता ने भी मेरा पूरा साथ दिया। जनता के साथ से आज विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

9 बार के विधायक हैं गोपाल भार्गव

पूर्वमंत्री भार्गव का बयान वर्तमान राजनीतिक हालात और संगठन के भीतर की स्थिति की ओर इशारा करता है। उल्लेखनीय है कि गोपाल भार्गव सागर जिले की रहली विधानसभा से 9 बार विधायक चुने जा चुके हैं। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में उनकी गिनती होती है। वे पूर्व में लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रह चुके हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक पकड़ को देखते हुए उन्हें हमेशा पार्टी का मजबूत स्तंभ माना गया है। हालांकि, मुख्यमंत्री मोहन यादव की वर्तमान कैबिनेट में गोपाल भार्गव को मंत्री पद नहीं दिया गया। इसके बाद से ही उनके बयानों में नाराजगी और पीड़ा के स्वर लगातार सामने आते रहे हैं। इससे पहले उन्होंने ब्राह्मणों को लेकर बयान दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि सारे नियम-कानून ब्राह्मणों के खिलाफ बनाए जा रहे हैं और हमें योजनाबद्ध तरीके से पीछे धकेला जा रहा है।

अस्पतालों के आउट सोर्स अमले की नाराजगी

23-24 फरवरी को कर्मचारियों का हल्ला बोल, भोपाल में करेंगे प्रदर्शन

21,000 न्यूनतम वेतन और रिक्त पदों पर विभाग में समायोजन की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था संभालने वाले आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जा रहा है। यदि समय रहते मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो आगामी 23 और 24 फरवरी 2026 को प्रदेशभर के हजारों आउटसोर्स कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे, जिससे अस्पतालों की सेवाएं चरमरा सकती हैं। जिला अध्यक्ष चित्रवीर पटेल के नेतृत्व में कर्मचारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा से मुलाकात की। उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव के नाम ज्ञापन सौंपते हुए आंदोलन की रूपरेखा स्पष्ट की। तृतीय चरण (16-18 फरवरी) में प्रदेश के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्यरत आउटसोर्स कर्मी काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे। अंतिम चरण (23-24 फरवरी) में कर्मचारी काम बंद कर सामूहिक अवकाश पर रहेंगे और भोपाल की सड़कों पर उतरकर हल्ला बोल प्रदर्शन करेंगे।

नौ सूत्रीय मांगों पर अड़े कर्मचारी, वेतन बढ़ाने की मांग

आउटसोर्स कर्मचारियों ने सरकार के सामने नौ सूत्रीय मांगें रखी हैं, जिनमें मुख्य रूप से विभाग में समायोजन की मांग शामिल है। एनएचएम के अंतर्गत सेवाएं दे चुके कर्मियों को रिक्त पदों पर समायोजित कर नियमित किया जाए या संविदा में मर्ज किया जाए। आउटसोर्स कर्मियों का न्यूनतम वेतन 21,000 रुपये निर्धारित हो और अप्रैल 2024 से रुकी हुई 11 माह के एरियर राशि का तत्काल भुगतान किया जाए। रेगुलर कर्मचारियों की तरह छुट्टियां, स्वास्थ्य बीमा और ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए। नियमित भर्तियों में आउटसोर्स कर्मियों को 50 प्रतिशत आरक्षण मिले। निजी आउटसोर्स एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट कर विभाग सीधे कर्मचारियों के खातों में भुगतान करे।

स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने की आशंका

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के लिए बड़ी चुनौती राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के जिला अस्पतालों, पीएचसी और सीएचसी में वार्ड बॉय, कंप्यूटर ऑपरेटर, सफाई कर्मी और अन्य तकनीकी पदों पर बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी तैनात हैं। इनके दो दिवसीय अवकाश पर जाने से ओपीडी रजिस्ट्रेशन, लैब टेस्टिंग और वार्डों की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप होने की आशंका है। इनका कहना है कि हम लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर गुहार लगा रहे हैं, लेकिन केवल आश्वासन मिल रहा है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा की तर्ज पर हमारे लिए भी ठोस नीति बनाई जाए, अन्यथा हमें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। - चित्रवीर पटेल, जिला अध्यक्ष, म.प्र. संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ।

निगम-मंडल में नई जिम्मेदारियों का रास्ता साफ

कार्यकर्ताओं को जल्द मिल सकता है मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में निगम और मंडल में होने वाली नियुक्तियों को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। भाजपा संगठन ने इस प्रक्रिया को लगभग पूरा कर लिया है और अब जल्द ही जिम्मेदारियों का बंटवारा किया जा सकता है। दिल्ली से लौटने के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी है। बताया जा रहा है कि नियुक्तियों से पहले नेताओं और कार्यकर्ताओं के कार्य, अनुभव और संगठन के प्रति योगदान की समीक्षा की गई है। पार्टी का जोर उन कार्यकर्ताओं पर है, जिन्होंने लंबे समय से जमीनी स्तर पर काम किया है और संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं को निगम-मंडल में जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना जताई जा रही है। बता दें हाल ही में प्रदेश संगठन ने संभाग और जिला प्रभारियों की नियुक्ति की है। इसके बाद से ही निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर भी अटकलें तेज हो गई।

नियुक्तियों से होगी उत्साह बढ़ाने की कोशिश

जानकारों का मानना है कि इन नियुक्तियों से कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा और सरकार तथा संगठन के बीच बेहतर तालमेल बनेगा। साथ ही आगामी समय में पार्टी की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। इधर, पार्टी स्तर पर वैचारिक कार्यक्रमों और बैठकों का दौर भी जारी है, जिससे संगठन को नई ऊर्जा देने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडलेवाल की सीएम डॉ. मोहन यादव से भी लगातार बैठक हो चुकी हैं। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में कम मार्जिन से हारे और कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वाले कुछ नेताओं को भी निगम-मंडल में जगह मिल सकती है।

निर्यात प्रोत्साहन के लिए संभाग-स्तरीय जागरूकता कार्यशाला 13 फरवरी को

भोपाल। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को निर्यात संबंधी नियम-कायदों की जानकारी देने के लिए आगामी 13 फरवरी से प्रदेश के 7 संभागों में संभागीय स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला होगी। सचिव एमएसएमई श्री दिलीप कुमार ने बताया कि फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के समन्वय से होने वाली इन कार्यशालाओं की श्रृंखला में पहली कार्यशाला 13 फरवरी 2026 को उज्जैन में आयोजित की गई है। इसके अलावा अलावा 14 फरवरी को इंदौर में, 27 फरवरी को भोपाल, 28 फरवरी को जबलपुर, 7 मार्च को ग्वालियर, 13 मार्च को रीवा में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

श्रम विभाग की राज्य स्तरीय कार्यशाला में श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा पुस्तक का विमोचन।

जुलाई 2025 से तीन प्रतिशत की दर से होनी थी वृद्धि

मप्र में आठ माह से नहीं बढ़ाया कर्मचारियों का महंगाई भत्ता

डीआर वृद्धि के लिए तो छत्तीसगढ़ भी तैयार है और मध्य प्रदेश से सहमति मांगी है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सात लाख नियमित कर्मचारियों का महंगाई भत्ता आठ माह से नहीं बढ़ाया गया है। भारत सरकार जुलाई 2025 से महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत कर चुकी है लेकिन प्रदेश में 55 प्रतिशत की दर से ही भुगतान हो रहा है। इसे लेकर कर्मचारी संगठनों ने सरकार को ज्ञापन देकर मांग की है कि जुलाई 2025 से ही महंगाई भत्ता और साढ़े चार लाख पेंशनरों की महंगाई राहत में वृद्धि की जाए।

मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि प्रदेश में सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचने में अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात सेवाएं देते हैं। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को तो जुलाई से ही महंगाई भत्ते में वृद्धि दे दी लेकिन प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों को लेकर अब तक निर्णय नहीं लिया गया है। पेंशनरों की महंगाई राहत में वृद्धि के लिए तो छत्तीसगढ़ भी तैयार है और मध्य प्रदेश से सहमति मांगी है। उन्होंने सरकार से महंगाई भत्ते और राहत में वृद्धि करने की मांग की है।

मेट्रो एंकर | नर्मदापुरम कलेक्टर ने छात्रों से तनावमुक्त रहने की अपील की

तनाव छोड़िए, तैयारी पर ध्यान दीजिए, परीक्षा अंतिम फैसला नही

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आज से बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत हो गई है। पहले दिन कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय की परीक्षा दी। इससे पहले परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना ने शुभकामनाएं दी और उन्हें सकारात्मक संदेश दिया है।

परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं-कलेक्टर- कलेक्टर सोनिया मीना ने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परीक्षा केवल जीवन का एक पड़ाव है, यह भविष्य का अंतिम निर्णय नहीं होती। परीक्षा का परिणाम यह तय नहीं करता कि आप जीवन में कितनी सफलता प्राप्त करेंगे, बल्कि आपकी मेहनत और निरंतर प्रयास ही सफलता का आधार होते हैं। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता जीवन का स्वाभाविक हिस्सा हैं और यह कभी स्थायी नहीं रहतीं। जरूरी यह है कि विद्यार्थी हर परिस्थिति में सीखते हुए आगे बढ़ें और खुद पर भरोसा बनाए रखें।

पालक और शिक्षक बढ़ाएं बच्चों का मनोबल-कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा के दौरान पालकों और शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। इस समय बच्चों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें प्रोत्साहित करना जरूरी है, क्योंकि परीक्षा के दौरान बच्चे स्वाभाविक रूप से तनाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को यह समझाना चाहिए कि यह एक परीक्षा है और इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए। यदि पूरा प्रयास किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। साथ ही यह भी समझाना जरूरी है कि यदि कहीं कमी रह जाए, तो जीवन बहुत लंबा है और आगे अनेक अवसर मिलते हैं।

तनाव मुक्त रहकर परीक्षा दें विद्यार्थी- विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कलेक्टर मीना ने कहा कि वे तनाव मुक्त, स्वस्थ और प्रसन्न मन से परीक्षाओं में शामिल हों। आत्मविश्वास बनाए रखें और शांत मन से प्रश्नपत्र हल करें। कलेक्टर ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को तनाव मुक्त रखने में सहयोग करें और उनका हौसला बढ़ाते रहें। सकारात्मक माहौल बच्चों के प्रदर्शन को बेहतर बनाता है।

नियमित काउंसिलिंग से मिलेगा सही मार्गदर्शन

कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं महत्वपूर्ण होती हैं, जिससे बच्चों में तनाव बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बच्चों की नियमित काउंसिलिंग कर उन्हें उचित मार्गदर्शन देना चाहिए। यदि पढ़ाई या किसी अन्य विषय को लेकर कोई समस्या हो, तो बच्चों को इसे अपने माता-पिता, भाई-बहन, शिक्षकों या दोस्तों से अवश्य साझा करना चाहिए।

युद्ध, तनाव, अविश्वास

युद्धों, तनाव और अविश्वास से भरी आज की वैश्विक राजनीति में अमेरिका और रूस के बीच न्यू स्टार्ट संधि का समाप्त होना केवल एक कूटनीतिक घटना नहीं, बल्कि पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ा गंभीर सवाल है। यह वही समझौता था, जिसने दशकों से परमाणु हथियारों की अंधी दौड़ पर कुछ हद तक लगाम लगाई हुई थी। इसके खत्म होने के साथ ही दुनिया एक बार फिर उस खतरनाक मोड़ पर खड़ी है, जहां विनाश की संभावनाएं उम्मीदों से कहीं अधिक भारी पड़ सकती हैं। न्यू स्टार्ट संधि का मूल उद्देश्य था- परमाणु हथियारों की संख्या सीमित रखना, पारदर्शिता बनाए रखना और दो महाशक्तियों के बीच भरोसे की एक नाजुक लेकिन जरूरी डोर को थामे रखना। इसके तहत न केवल हथियारों की सीमा तय की गई थी, बल्कि एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों के निरीक्षण जैसी व्यवस्थाएं भी थीं, ताकि किसी भी प्रकार की आशंका और गलतफहमी को समय रहते रोका जा सके। यह संधि एक तरह से वैश्विक शांति का सुरक्षा कवच थी। लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदलीं। कोविड-19 महामारी ने निरीक्षण व्यवस्था को बाधित किया, वहीं यूक्रेन युद्ध ने अमेरिका और रूस के रिश्तों में ऐसी दरार डाली, जिसे भर पाना आसान नहीं रहा। नतीजतन, रूस ने संधि से खुद को अलग कर लिया और अमेरिका भी इसे बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के अनुरूप अप्रभावी मानने लगा। चीन के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम ने इस असंतुलन को और गहरा कर दिया। परिणाम यह हुआ कि संधि की मियाद पूरी होने के बाद कोई नया समझौता अस्तित्व में नहीं आ सका। इसका सीधा अर्थ है- अब दुनिया के दो सबसे बड़े परमाणु ताकतवर देशों पर हथियारों की कोई प्रभावी सीमा नहीं रही। यह स्थिति केवल उनके आपसी संबंधों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा ढांचे को भी कमजोर करती है। निगरानी और सत्यापन के तंत्र के कमजोर पड़ने से संदेह, आशंका और टकराव की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाती हैं। इतिहास गवाह है कि परमाणु हथियारों की होड़ ने हमेशा दुनिया को अस्थिरता की ओर ही धकेला है। इसका असर केवल अमेरिका और रूस तक सीमित नहीं रहेगा। भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और अन्य परमाणु संपन्न देशों के लिए यह एक खतरनाक संकेत है। आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह स्थिति गंभीर है। परमाणु हथियारों के विकास और रखरखाव में अरबों डॉलर खर्च होते हैं, जो विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे जरूरी क्षेत्रों से संसाधन छीन लेते हैं। साथ ही, बढ़ता परमाणु भंडार पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए दीर्घकालिक खतरा बन सकता है।

देश काल का दर्पण होती है संसद, योजना बनाकर उत्पात करना किसी भी दशा में उचित नहीं

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष

संसद की गरिमा के प्रश्न स्थाई भाव बन रहे हैं। संसद देश काल का दर्पण होती है। यह केवल बजट पास करने या कानून बनाने का ही संवैधानिक निकाय नहीं होती। सदन की गरिमा और मर्यादा बहुधा तार-तार हो रही है। संसद की गरिमा को उच्च स्तर पर बनाए रखने का कर्तव्य सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का है। उत्तरदायित्व का निर्वाहन शोर-शराबे से नहीं होता। कांग्रेस दीर्घकाल तक सत्ता में रही है। देश की संसदीय राजनीतिक संस्कृति को विकसित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की ही रही है। लेकिन विपक्षी दल की भूमिका में कांग्रेस वैचारिक विकल्प नहीं दे पाई। दुनिया भर के संसदीय जनतंत्रों में सत्ता पक्ष का विकल्प देने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। सदन में अचानक किसी मुद्दे पर उबाल आ जाना बड़ी बात नहीं है। तीखी नोकझोंक भी संभव है। लेकिन योजना बनाकर सदन के भीतर उत्पात करना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय संसद में बहुत कुछ अप्रिय घटित हो रहा है। ऐसा उत्पात सदन की मर्यादा का हनन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि, 'कांग्रेस के सांसद किसी अप्रत्याशित घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देना चाहते थे।' बिरला ने कहा कि उन्होंने नेता सदन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सतर्क किया था कि ऐसी कोई बड़ी घटना संभव थी। बिरला ने यह भी कहा कि अभी बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने जैसा व्यवहार किया वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ। यद्यपि कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के दावे को झूठ बताया है। लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के आसन के सामने तीन महिला सदस्यों का खड़े होना किस दृष्टि से संसदीय है। लोकसभा अध्यक्ष के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया था कि वे सदन में न आएं। 18वीं संसद में प्रेरक घटनाएं नहीं दिखाई पड़ती। विपक्ष अपने संसदीय दायित्वों के निर्वाहन में सफल नहीं रहा। व्यवधान और शोर बार-बार के स्थगन और संसदीय शब्दों का प्रयोग लगातार हो रहा है। राष्ट्रीय विमर्श के प्रश्न बहस का मुद्दा नहीं बन पाए। वैकल्पिक विषयों पर सदन के पटल पर विकल्प देना, विकल्प के क्रियान्वयन के लिए सुझाव देना विपक्ष की जिम्मेदारी है। यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला टू प्रपोज दि गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा टू अपोज दि गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज दि गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है। लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं।

संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री सदन का नेता होता है। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए उसे सरकार की नीतियों की आलोचना करनी चाहिए। उस आलोचना का आधार होना चाहिए। सदन में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा संसदीय व्यवहार का प्रमुख हिस्सा है। अपशब्द विचार प्रकट करने का सही माध्यम नहीं होते। अपशब्दों का प्रयोग संसदीय कर्तव्य के आदर्श निर्वाहन का विकल्प नहीं होता। लेकिन यहां प्रधानमंत्री के आसन के समक्ष खड़े होकर शोर मचाना, महिला सांसदों का आसन को घेर कर खड़े होना जैसे प्रसंग रोजमर्रा की कार्यवाही का हिस्सा बन रहे हैं। प्रधानमंत्री के विरुद्ध किसी अनहोनी के सम्बंध में बिरला का रहस्योद्घाटन गंभीर प्रकृति का है। यह छोटी-मोटी घटना नहीं है। योजना बनाकर संसद की कार्यवाही को किसी भी रूप में प्रभावित करने की इच्छा भी खतरनाक है। यह सदन के विशेषाधिकार का भी उल्लंघन है। लोकसभा अध्यक्ष को घटना के सभी तथ्यों की जानकारी है। इसलिए ऐसे गंभीर मुद्दे पर विशेषाधिकार के अवमान की कार्यवाही होनी चाहिए। यद्यपि ब्रिटिश संसद को संसदीय मामलों में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, लेकिन ब्रिटिश संसद के जन्म के बहुत पहले भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं थीं। लुडविग जैसे विद्वानों ने वैदिक काल में ही भारत की संसदीय संस्थाओं का उल्लेख किया है। सभा और समितियां ऋग्वेद में हैं। अथर्ववेद में हैं। महाभारत में हैं। वैदिक साहित्य में सभा के सदस्य सभासद कहलाते थे। जो सभेय थे, सभा में सुंदर बोलते थे, वे सभ्य कहे जाते थे। उत्तर वैदिक काल और पुराणों के समय भिन्न-भिन्न जनहितकारी विषयों पर विचार गोष्ठियां होती थीं। भाषा में मधुरता थी। आचार और विचार मर्यादित थे। लेकिन आधुनिक भारत की संसद तमाम प्रतिभाओं के बावजूद मर्यादित रूप में नहीं चलती। संसदीय कार्यवाही प्रेरित नहीं करती। यह हताश और निराश करती है। संविधान सभा की कार्यवाही लंबे समय तक चली थी। सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. आम्बेडकर, कमलापति त्रिपाठी, विशंभर दयालु त्रिपाठी, मौलाना हजरत मोहानी, हरि विष्णु कामथ, हृदयनाथ कुंजूरू, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे विद्वान सदस्य थे। इस लंबी कार्यवाही में कहीं कोई कटुता नहीं दिखाई पड़ी। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सभा की अध्यक्षता कर रहे थे। संविधान सभा ने देश को एक राज व्यवस्था दी। राष्ट्रवादी मूल और आदर्श दिए लेकिन आश्चर्य है कि ऐसी परंपराओं के उत्तराधिकारी होकर भी हम अपनी संसद को सुव्यवस्थित नहीं चला पा रहे हैं। दुर्भाग्य का विषय है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास नीतियों के स्तर पर कोई विकल्प नहीं है। शोर स्थाई भाव है।

सदन राष्ट्रीय विमर्श के संवैधानिक मंच हैं। विपक्ष को तथ्य और तर्क सहित चर्चा करनी चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि प्रश्नों का उद्देश्य क्या है? क्या लोकतंत्र की मजबूती हंगामे से ही संभव है। क्या शोर शराबा और हंगामा ही बहस का उपकरण हो सकते हैं। लोकसभा के मंच से लगातार विपक्ष द्वारा यही कहा जा रहा है कि हंगामा हथियार हो गया है। विपक्ष के पास तथ्य नहीं है। विपक्ष को लगता है कि विपक्ष के पास तथ्य और तर्क से ज्यादा हंगामा और नारेबाजी के उपकरण ही हैं। विपक्ष सरकार को घेरने के अलावा और किसी लक्ष्य से प्रेरित नहीं है। वह राष्ट्रीय आवश्यकता की रणनीति पर कम और हंगामा द्वारा राजनीतिक बढ़त लेने का हथियार ज्यादा है। सदन में अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर कम से कम विपक्ष से अपेक्षा की जा सकती है कि वह उत्तरदायी बने। प्रश्न पूछे। विकल्प दे। सुझाव रखे। सरकार को जवाबदेह बनाए। विपक्ष का यह भी कर्तव्य है कि वह सदन को हंगामे का मंच न बनाएं। वैकल्पिक विचार दे और संसदीय कार्यवाही को राष्ट्रहितैषी बनाए।

संप्रभुता अभद्र नहीं होती। संसद सर्वोच्च संप्रभु संस्था है। विधि निर्मात्री है, संविधान संशोधन के अधिकार से भी लैस है। राज्यों के विधानमण्डल इसी की प्रतिछाया हैं, लेकिन संसद और

विश्व दलहन दिवस: खाद्य सुरक्षा के साथ मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की कड़ी हैं दालें

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।

दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।

पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है।

भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कुपोषण से लड़ने और स्वास्थ्य सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विशेषकर शाकाहारी आबादी के लिए दालें सस्ती, टिकाऊ और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत हैं।

कुल मिलाकर, यह दिवस किसानों के लिए भी नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। दलहन आधारित फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, नाइट्रोजन स्थिरीकरण के कारण रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप किसानों की लागत कम होती है और आय में स्थिरता आती है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन के दौर में दलहन खेती पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रस्तुत करती है। उपभोक्ताओं के लिए यह अवसर अपने भोजन विकल्पों पर पुनर्विचार करने का संदेश देता है, अधिक पौध आधारित, स्थानीय और पोषण-संपन्न आहार की ओर लौटने का आह्वान। दालें यह सिद्ध करती हैं कि सादगी में भी उत्कृष्टता छिपी होती है। यदि नीति-निर्माता, किसान और उपभोक्ता मिलकर दलहनों को प्राथमिकता दें तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, तीनों को एक साथ मजबूती मिल सकती है। सच यही है कि छोटे-छोटे बीज मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य की नींव रखते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट: लंबे समय तक एसिडिटी रहे तो पेट के अल्सर सहित गंभीर बीमारियों का खतरा

एसिडिटी की समस्या लोगों को काफी परेशान कर देती है। इससे निजात पाने के लिए लोग कई नुस्खे आजमाते हैं, लेकिन ट्रीटमेंट से बचते हैं। अगर एसिडिटी लंबे समय तक बनी रहे तो यह तश्वत्रष्ठ, इसोफैजाइटिस, पेट के अल्सर और बैरेट्स इसोफैगस जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। समय पर इलाज कराना बेहद जरूरी होता है।

पेट की सेहत का सीधा संबंध खानपान से होता है। अगर आप हेल्दी फूड्स का सेवन करेंगे, तो पाचन तंत्र ठीक बना रहेगा. खानपान बिगड़ जाएगा, तो इससे पेट की सेहत पर भी बुरा असर पड़ेगा। अनहेल्दी खान-पान, तनाव और गलत लाइफस्टाइल की वजह से एसिडिटी की समस्या बढ़ती जा रही है। कभी-कभी एसिडिटी होना सामान्य माना जाता है, लेकिन जब यह परेशानी लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। लगातार एसिडिटी रहना इस बात का संकेत है कि पाचन तंत्र में कोई गड़बड़ी है, जो आगे चलकर गंभीर बीमारियों की वजह बन सकती है।

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के गैस्ट्रो डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. अनिल अरोड़ा के अनुसार लंबे समय तक एसिडिटी रहने से सबसे पहले गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (तश्वत्रष्ठ) का खतरा बढ़ जाता है। इस कंडीशन में पेट का एसिड बार-बार खाने की नली में ऊपर की ओर आने लगता है, जिससे सीने में जलन, खट्टी डकारें और गले में जलन महसूस होती है। अगर समय पर इलाज न किया जाए, तो यह खाने की नली को नुकसान पहुंचा सकता है। क्रॉनिक एसिडिटी से इसोफैजाइटिस नाम की समस्या भी हो सकती है, जिसमें खाने की नली की अंदरूनी परत में सूजन आ जाती है। इससे निगलने में दर्द, सीने में जलन और कभी-कभी खून की उल्टी जैसी गंभीर स्थिति भी बन सकती है। डॉक्टर ने बताया कि लगातार एसिड के संपर्क में रहने से हमारे इसोफैगस की कोशिकाएं कमजोर हो जाती हैं। पेट में अल्सर बनने का खतरा भी बढ़ जाता है। पेट की अंदरूनी परत पर एसिड का प्रभाव लंबे समय तक रहने से घाव बन सकते हैं, जिससे पेट दर्द, उल्टी, मतली और कभी-कभी ब्लीडिंग तक हो सकती है। अल्सर की स्थिति गंभीर होने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकता है, इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सुविचार

खुश रहना है तो दूसरों
से उम्मीदें कम करें।
–अज्ञात

निशाना

बातें कोरी न करें..!

रामकिशोर नाविक

या तो चोरी ना करें
सीनाजोरी ना करें
किया है तो बतायें
बातें कोरी ना करें
हैं अगर कमजोर तो
जोराजोरी ना करें
आप जो करने लगे
फिर टपोरी क्या करें
पाल सकते गर नहीं
छोरा छोरी ना करें
मूल ही सुख चैन है
ब्याज खोरी ना करें
आईना दिखलाइये
मुँह चपोरी ना करें।

न्यू लॉन्च: भारत में जल्द आ रहा है iPhone 17e 60 हज़ार से शुरू हो सकती है कीमत

एप्पल इस साल iPhone 17e लॉन्च करने वाला है। अभी फोन की आफिशियल लॉन्च डेट अनाउंस नहीं की गई है। हालांकि, Macworld की रिपोर्ट के अनुसार फोन 19 फरवरी को लॉन्च हो सकता है। लॉन्चिंग डेट के अलावा रिपोर्ट से फोन के खास स्पेसिफिकेशन का पता भी चल गया है। साथ ही, कई रिपोर्ट्स में इसकी कीमत का खुलासा भी हुआ है। iPhone 17e के सबसे खास अपग्रेड में से एक MagSafe सपोर्ट है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंडस्ट्री के सूत्रों ने कन्फर्म किया है कि डिवाइस 25W तक की MagSafe वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट के साथ आएगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो iPhone 17e की अमेरिका में कीमत 599 डॉलर (लगभग 54,300 रुपये) से शुरू होगी। भारत में फोन को 60 से 65 हज़ार रुपये के बीच लाया जा सकता है। बता दें कि Apple प्रोडक्ट ज्यादातर गुरुवार के दिन लॉन्च होते हैं। हालांकि, Apple ने पिछले साल iPhone 16e को एक सिंपल प्रेस रिलीज के जरिए अनाउंस किया था। इस कारण अभी यह कन्फर्म नहीं कहा जा सकता है कि कंपनी इसके लिए लॉन्च इवेंट का आयोजन करेगी या फिर सॉफ्ट लॉन्च के जरिए फोन पेश किया जाएगा।

फीचर्स की बात करें तो स्मार्टफोन MagSafe वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट के साथ आ सकता है। बता दें कि iPhone 16e सिर्फ 7.5W Qi वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करता है और इसमें MagSafe नहीं मिलता है। द इन्फॉर्मेशन ने पहले बताया था कि 17e में MagSafe आएगा और अब कई रिपोर्ट्स में इस बात का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा, ओवरऑल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। iPhone 17e में सिंगल रियर कैमरा और सामने की तरफ नॉच मिलने की उम्मीद है। डायनामिक आइलैंड अभी के लिए सिर्फ हाई-एंड मॉडल्स तक ही सीमित रहेगा।

फोन में मिलेंगे कई अपग्रेड: डिजाइन में ज्यादातर फर्क देखने को ना मिले, लेकिन फोन में कई इंटरनल अपग्रेड मिलने की उम्मीद है। PCMag ने जापानी ब्लॉग Mac Otakara के हवाले से बताया है कि इस फोन में Apple का A19 चिप होगा। डिवाइस में 5G और LTE कनेक्टिविटी के लिए Apple का नया CvX मॉडेम और Wi-Fi 7 और ब्लूटूथ 6 के लिए N1 चिप भी दी जाने की उम्मीद है। Apple ने कहा है कि CvX पिछले C1 मॉडेम से दोगुना तेज है, जबकि N1 चिप AirDrop और पर्सनल हॉटस्पॉट जैसी सुविधाओं को बेहतर बनाता है। फोन में 6.1 इंच का OLED डिस्प्ले मिल सकता है। ग्लोबल मार्केट में इसका बेस वेरिएंट 256GB स्टोरेज और भारत में 128GB इंटरनल स्टोरेज के साथ आ सकता है। भारत के लिए फोन के बेस मॉडल की कीमत 59,900 रुपये से शुरू होने की उम्मीद है। 256GB स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत 69,900 रुपये और 512GB स्टोरेज वाले वेरिएंट की कीमत 89,900 रुपये हो सकती है। दुबई में 128GB वेरिएंट की कीमत AED 2,399 (लगभग 59,049 रुपये) होने की उम्मीद है, जिसमें 256GB वाले वेरिएंट की कीमत AED 2,799 और 512GB वाले वेरिएंट की कीमत AED 3,649 हो सकती है।

अजब - गजब: छत पर गमले में 55 सालों से है बरगद का पेड़, ऊंचाई सिर्फ दो फ़ीट, देखभाल का कमाल

मुजफ्फरपुर जिले के जाने-माने गार्डनिंग विशेषज्ञ संजय कुमार 'संजू' ने वह कर के दिखाया है, जिसे लोग अक्सर असंभव मानते हैं। आमतौर पर बरगद का पेड़ लोग जमीन पर लगे देखते है लेकिन उन्होंने अपने घर की छत पर पिछले 55 वर्षों से सिर्फ 2 फीट के कद में, गमले में सुरक्षित और हरा-भरा बरगद का पेड़ लगाए हुए है। खास बात यह है कि इस अनोखे बरगद का हर साल बाकायदा जन्मदिन भी मनाया जाता है।

संजू बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही पेड़-पौधों का गहरा शौक रहा है। उस दौर में आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, लेकिन प्रकृति से लगाव ने रास्ता दिखाया। उन्होंने बताया कि बचपन में अक्सर बड़े बरगद के पेड़ों के नीचे बैठते थे। चिड़ियों की बीट गिरने से घर तक बीज आ जाते थे। एक दिन ऐसा ही एक पौधा उन्हें बेहद सुंदर लगा। तब उन्होंने एक छोटे टीन के बर्तन में छेद कर, उसमें मिट्टी डालकर बरगद के छोटे से पौधे को लगा दिया। यही पौधा आगे चलकर उनकी पहचान बन गया।

धीरे-धीरे उन्हें जानकारी मिली कि बरगद का बोनसाई तैयार किया जा सकता है, जो देखने में बेहद आकर्षक लगता है। इसके बाद उन्होंने इस पौधे की नियमित देखभाल शुरू की। समय-समय पर खाद, पानी और खास तकनीक से इसकी कटाई-छंटाई की। संजय कुमार बताते हैं कि हर 6 से 8 महीने में पौधे को गमले से बाहर निकालकर जड़ों की छंटाई (रूट ट्रीटमेंट) की जाती है। साथ ही ऊपर के तने और शाखाओं की टिप्स काटी जाती हैं, जिससे पौधा और घना व सुंदर हो जाता है।

प्रदर्शनी में प्रथम स्थानः उन्होंने बताया कि इस पौधे की खूबसूरती इतनी बढ़ गई कि हाल ही में तिरहुत प्रमंडल स्तरीय गार्डनिंग प्रदर्शनी में भी इसे प्रदर्शित किया गया। जिसमें इस पौधे को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। संजय कुमार का कहना है कि लोगों के बीच इस पौधे को लेकर आम धारणा है कि बरगद को गमले में नहीं उगाया जा सकता। लेकिन मैंने इसको साबित कर कर दिया कि बरगद के पेड़ को भी गमला में आसानी से लंबे समय तक रखा जा सकता है।

न्यूज विंडो

संत शिरोमणि श्रीरामजी बाबा मेले में पहलवानों ने दिखाए जबरदस्त दाव-पेंच

नर्मदापुरम। संत शिरोमणि श्रीरामजी बाबा मेले में एसएनजी स्टेडियम में प्रदेश भर से आए पहलवानों ने दमदार दाव-पेंच दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहलवानों ने न केवल अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन किया, बल्कि आज के दौर में तंदुरुस्त रहने की प्रेरणा भी दी।राजस्व शाखा के एआरआई रवि सूर्यवंशी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में मेले का आयोजन हो रहा है। मेले में प्रतिदिन रंगारंग और मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सोमवार को राज्य स्तरीय दंगल का आयोजन किया गया, जिसमें 29 जोड़ी पुरुष और एक जोड़ी महिला पहलवानों ने हिस्सा लिया। दंगल के परिणाम इस प्रकार रहे, बड़ी जोड़ी विजेता- मेहुल (बुधनी), उपविजेता- तरूण (बरेली), दूसरी जोड़ी-विजेता- काला चीता, उपविजेता- पारस पहलवान जर्रापुर, हरदा, बुधनी और बरेली के पहलवानों ने प्रतिस्पर्धा की। सभी जोड़ियों को निर्धारित पुरस्कार वितरित किए गए।निर्णायक मंडल में युवराज गवली (देवालपुर मालवा केसरी), कक्का, राकेश फौजदार, जगदीश पहलवान और बलीराम पहलवान शामिल रहे। दंगल में एआरआई रवि सूर्यवंशी के साथ अनंत सिंह राजपूत, राजेंद्र राजपूत, योगेश परसाई, हरीश गोस्वामी, पूर्व पार्षद नंदकिशोर नंदू यादव, गौरी यादव और पार्षद नरेंद्र पटेल भी उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों को लेकर बैठक में की चर्चा

गंजबासौदा। उदयपुर स्थित श्री नीलकंठ महादेव शिव मंदिर परिसर में सोमवार को महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियो एवं पर्व पर ग्राम उदयपुर में लगने वाले मेले के संबंध में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, अपर कलेक्टर विदिशा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विदिशा, पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें महाशिवरात्रि पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओ के सुलभ दर्शन हेतु की जाने वाली सभी तैयारियां के संबंध में विस्तार से रूपरेखा बनाई गई। साथ ही दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग हेतु पार्किंग स्थल चयनित किए गए। मंदिर में लाइट व्यवस्था सौंदर्यीकरण व सांस्कृतिक विभाग की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली प्रस्तुतियां के व्यापक प्रचार प्रसार आदि के विषय में चर्चा की गई। वहीं अधीक्षक रोहित काशवानी ने उदयपुर स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर परिसर का निरीक्षण कर पर्व संबंधी तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि पर्व का आयोजन शांतिपूर्ण, सुचारु एवं सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, एसडीएम अनुभा जैन, एसडीओपी शिखा भलावी, थाना प्रभारी बासौदा शहर, थाना प्रभारी बासौदा देहात, यातायात थाना प्रभारी बासौदा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय दिव्यांग शिविर में 11 विद्यार्थियों की जांच कर दिए उपकरण

गंजबासौदा। सांदीपनी विद्यालय राजेंद्र नगर में दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लॉक के चिह्नित 77 दिव्यांग छात्र छात्राओं ने अपने पालकों के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, अनुविभागीय अधिकारी सहित ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने माँ शारदा की पूजन अर्चना के साथ किया। ब्लॉक से शहरी एवं ग्रामीण अंचल से आये चिह्नित 77 दिव्यांग छात्र छात्राओं को शासन द्वारा जांच के उपरांत उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल छात्र छात्राओं को भोजन के पैकेट प्रदान किये गए एवं उपकरणों का वितरण किया गया।

युवक को लात-घूसों से पीटा, कुत्ते की गुमशुदगी को लेकर थाने पहुंचे नेताजी

अशोकनगर। जिले में सत्ताधारी दल भाजपा से जुड़े दो अलग-अलग मामले चर्चा बने हुए है जो राजनीति के दो विपरीत पहलुओं को उजागर करते हैं। एक ओर चंदेरी क्षेत्र में सत्ता की हनक और पद का अहंकार इस कदर हावी हुआ कि एक जिम्मेदार सरपंच और प्रदेश पदाधिकारी ने सरेआम मर्यादाओं को ताक पर रखकर एक ग्रामीण युवक की बेरहमी से पीट दिया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है। वहीं दूसरी ओर, जिला मुख्यालय पर भाजपा के एक युवा नेता अपने पालतू कुत्ते की गुमशुदगी से परेशान होकर पुलिस की शरण में पहुंचे हैं। पुलिस कार्रवाई का दावा कर रही है। चंदेरी थाना क्षेत्र के बड़ेरा गांव में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और सरपंच बलीसिंह लोधी की दबंगई सामने आई है। वायरल वीडियो में भाजपा नेता अपने गांव के युवक बृजकिशोर यादव को नीचे पटककर लात-घूसों से बेरहमी से पीटते नजर आ रहे है। पीड़ित के अनुसार, वह चौराहे पर बैठा था तभी सरपंच ने आकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर गर्दन पकड़कर गिरा दिया और लात-घूसों से मारपीट की, इससे गर्दन सहित शरीर में कई जगह चोट आई है। साथ ही धमकी दी कि यदि थाने में शिकायत करने गया तो जान से खत्म कर दूंगा। युवक ने चंदेरी बाने में शिकायत की तो पुलिस ने भाजपा नेता सरपंच के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली है, लेकिन सरेआम हुई इस गुंडागर्दी ने जिले में भाजपा की छवि पर सवारत खड़े कर दिए है।

आक्रोश: पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित है विष्णु मंदिर, गोपालनगर गांव की घटना

मंदिर की प्रतिमाओं को अज्ञात लोगों ने तोड़कर किया खंडित, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

गोपाल नगर गांव में राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित प्राचीन विष्णु मंदिर की प्रतिमाओं को अज्ञात व्यक्तियों ने तोड़ कर खंडित कर दिया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने मौके पर पहुंची पुलिस के सामने ही विहिप नेताओं के साथ सड़क पर चक्काजाम कर दिया। गोपाल नगर में स्थित विष्णु मंदिर एक हजार साल पुराना बताया जाता है। मंदिर भगवान लक्ष्मीनारायण के साथ ही लड्डू गोपाल की प्राचीन प्रतिमाएं हैं। कुछ वर्ष पूर्व मंदिर परिसर में ही दूसरे गर्भगृह में भगवान लक्ष्मीनारायण की नई प्रतिमाएं भी स्थापित की गई थी। जब मुख्य पुजारी के छोटे भाई मोनू शर्मा मंदिर में पहुंचे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। भीतर दोनों ही गर्भगृह के ताले भी टूटे हुए थे। भगवान विष्णु की प्राचीन प्रतिमा को उनके चरणों की जगह से तोड़कर वहीं पर रख दिया गया था। समीप स्थित गर्भगृह में स्थापित विष्णु प्रतिमा भी यहीं पर लेटी अवस्था में रखी थी। इस प्रतिमा को भी चरणों से ही तोड़ा गया था। उनके चरण दूसरे गर्भगृह में जस की तस स्थापित थे। मंदिर में स्थापित अन्य प्रतिमाओं के साथ छेड़छाड़ के अलावा भगवान के वस्त्रों की पेटी में रखा सामान भी बाहर पड़ा हुआ था। पुजारी ने तुरंत ग्रामीणों को जानकारी दी। मौके पहले दीपनाखेड़ा पुलिस और फिर एसडीओपी सोनू डाबर पहुंची। विहिप नेता राकेश सक्सेना और जगदीश शाक्य गांव में पहुंचे। ग्रामीणों ने उनके नेतृत्व में ही गोपालनगर-दीपनाखेड़ा मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। वे मंदिर की सुरक्षा में नाकाम पुलिस-प्रशासन पर आरोप भी लगा रहे थे। एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा और एसडीओपी की समझाइश के बाद उन्होंने चक्काजाम खत्म किया। प्राचीन विष्णु मंदिर के शिखर के साथ ही आसपास की छतरियां अभी भी पुरानी बनावट में ही है। पूर्व संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने मंदिर का जिर्णोद्धार करवाया था। इसके बाद मंदिर राज्य पुरातत्व विभाग के अधीन हो गया। सिरोंज एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि हम हर एंगल से जांच कर रहे हैं। डॉग स्क्वाड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर आई हैं। हम हर एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं। जल्द ही आरोपी हमारी गिरफत में होंगे।

विधायक देंगे प्रतिमा के लिए 51 हजार रूपए

दोपहर में मौके पर विधायक हरिसिंह सप्रे भी पहुंचे। उन्होंने परिसर का निरीक्षण करने के बाद नवीन प्रतिमा के लिए 51 हजार रूपए देने तथा परिसर में सीसी टीवी कैमरे लगवाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि बहुत कम लोग मंदिरों में जाते हैं। अगर लोग मंदिरों में जाए तो ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। वहीं शाम को सिरोंज विधायक उमाकांत शर्मा ने भी गोपालनगर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।पुजारी गोलू शर्मा ने बताया कि मंदिर पर लोगों का आना लगा रहता है। रविवार शाम को भी बाइक से दो युवक आए थे। वे मंदिर में घूमे और फिर काफी देर तक बाहर बैठे रहे लेकिन आरती में शामिल नहीं हुए। वे करीला जाने का रास्ता पूछकर वापस लौट गए।

2.10 करोड़ से लोक निर्माण विभाग बनवाएगा सड़क विधायक बोले-श्रद्धालुओं की समस्या का होगा निदान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

डेढ़ साल पहले जब सिरोंज से कांवड़ यात्रा के साथ तीर्थ क्षेत्र में आए तो जाम का सामना करना पड़ा था। उसी समय पैदल घूमकर बायपास सड़क निर्माण का संकल्प लिया था। सीएम मोहन यादव के सामने प्रस्ताव रखा। उन्होंने तुरंत स्वीकृति करवा दी। 2 करोड़ 10 लाख की सड़क बनने से श्रद्धालुओं की बड़ी समस्या का समाधान हो जाएगा। यह बात विधायक उमाकांत शर्मा ने सोमवार को सिरोंज-आरोन रोड पर स्थित बाबा विश्वनाथ की नगरी तीर्थ क्षेत्र देवपुर में कही। वे यहां पर 2 करोड़ 10 लाख रूपए की लागत से बनने वाली बायपास सड़क का भूमिपूजन करने के लिए आए थे।

सभा में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने देवपुर तीर्थ की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं को यहां के इतिहास अवगत कराना जरूरी है। इस क्षेत्र की सेवा चारों तरफ के लोगों ने की है। एक समय खिरिया दांगी गांव में रहने वाले कीरतपुरी महाराज ने धनसंग्रह कर यहां पर पत्थर की दहलान का निर्माण करवाया था। बायपास सड़क के निर्माण से मेले और पर्वों के समय यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी समस्या का निदान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देश के धर्मस्थलों का अद्भुत विकास हुआ है। क्षेत्र के विकास के लिए शून्य से लाखों तक का सहयोग करने वाला हर व्यक्ति धन्यवाद का पात्र है। आगे भी जो भी जो भी संभव होगा वह हम सब मिलकर करेंगे।

सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेता रमेश यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा ने खुद और पर्यटन विकास निगम के माध्यम से तीर्थ क्षेत्र के विकास के लिए करोड़ो रूपए के काम करवाए थे। क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास के उनके सपने को विधायक पूरा कर रहे हैं। वे एक बार नहीं कई बार आधी रात को थाने में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। वे दिनरात सक्रिय रहकर सतर्क चौकीदार की भूमिका निभा रहे हैं। सभा को जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाबसिंह कुर्मी, संतोष चौरे, कैलाश शर्मा, रघुनाथ सिंह रघुवंशी, हमीरसिंह यादव, जितेन्द्र बघेल और कलेक्टर यादव ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

1300 मीटर लंबी और 3.75 मीटर चौड़ी होगी सड़क

2 करोड़ 10 लाख की लागत से बनने वाले देवपुर बायपास की सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जा रहा है। जिसका टेंडर भिंड की सर्वेश्वरी कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिला है। पीडब्लूडी इंजीनियर सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि सीसी सड़क 1300 मीटर लंबी और 3.75 मीटर चौड़ी होगी। जो आरोन रोड से शुरू होकर गांव के अहिरवार मोहल्ले से होकर हरिपुर पर जाकर खत्म होगी। आने वाली बारिश के पहले निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

संकल्प से समाधान अभियान

अधिक आवेदन लें, लोकपथ ऐप का करें प्रचार -तिवारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

संकल्प से समाधान अभियान को जोरदार बनाने के लिए नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। आयोजित संभागीय समय सीमा की बैठक में उन्होंने कहा कि 12 जनवरी से शुरू हुए इस अभियान के चार चरणों (12 जनवरी-16 फरवरी, 16 फरवरी-16 मार्च, 16-26 मार्च और 26-31 मार्च) में 16 विभागों की 65 योजनाओं के तहत अधिक से अधिक हितग्राही आवेदन लें और उनका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। 15 मार्च से क्लस्टर लेवल पर शिविर भी लगेंगे, जहां नवीन आवेदन लिए जाएंगे।कमिश्नर ने लोक निर्माण विभाग के 'लोकपथ ऐप' का व्यापक प्रचार करने पर जोर दिया। इस ऐप से कोई भी व्यक्ति सड़क के गड्ढे की फोटो खींचकर अपलोड कर सकता है, जिसे चार दिनों में ठीक किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि ऐप डाउनलोड कर आसपास के गड्ढों की शिकायत दर्ज करें।इसके अलावा, विभागीय बजट 31 मार्च तक खर्च करें, बाकी शासन को लौटाएं। सीएम हेल्पलाइन के लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए हर प्रकरण का अटेंडमेंट अनिवार्य करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, बिरसा मुंडा योजना, संत रविदास योजना आदि में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के आदेश दिए।

अनियंत्रित कार खंभे और पेड़ को उखाड़ते हुए पलटी, युवक की मौत

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शनिवार देर रात में लटेरी रोड पर उत्कृष्ट सड़क मोड़ पर हुए सड़क हादसे में एक युवक मौत हो गई। टीकमगढ़ में रहने वाला 24 वर्षीय अनुज खत्री शनिवार को सगाई समारोह में शामिल होने के सिरोंज आया था। समारोह के दौरान ही वह सफारी गाड़ी लेकर लटेरी रोड तरफ निकल गया। वहां से वह तेज गति से गाड़ी चलाकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान उत्कृष्ट सड़क के मोड़ पर गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के खंबे और पेड़ को उखाड़ते हुए करीब 25 फीट दूर दीनदयाल पार्क की तार फेसिंग को तोड़कर पलट गई। दुर्घटना में अनुज की मौके पर ही मौत हो गई। सगाई समारोह में मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर उसे वाहन से निकाल राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंचाया। सुबह पीएम के बाद परिजन शव को लेकर टीकमगढ़ रवाना हो गए। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

बाइक चोर गिरोह से 8 मोटरसाइकिलें बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में लगातार हो रही दुपहिया वाहनों की चोरी की वारदातों में कोतवाली पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर अंतर-जिला बाइक चोर गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 8 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 9 लाख रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी व एएसपी विजय डावर के निर्देशन में वाहन चोरों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सीएसपी सुजावल जग्गा के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि भक्ताम्बर रोड स्थित देवीजी मंदिर के पास दो संदिग्ध व्यक्ति चोरी की बाइक के साथ बैठे हैं। पुलिस ने तत्काल मौके पर दबिश देकर संजय पिता भगडिया अनारे और मनोज पिता कमरु अनारे निवासी देवीपुरा टांडा)को हिरासत में लिया। शुरुआती पूछताछ में आरोपियों ने मगजपुरा से बजाज पल्सर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने साथियों रितेश और नबलसिंह के साथ मिलकर धार और इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों से कई वाहन चुराए हैं। आरोपियों की निशानदेही पर तिरला के पास झाड़ियों में छिपाकर रखी गई अन्य मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। पुलिस ने बजाज पल्सर एन, टीवीएस स्टार सीटी एमपी 47 एमएल 9202, दो यामाहा आर वन 5, पीले रंग की बजाज पल्सर, एक सफेद रंग की आर वन 5, काले रंग की स्पलेंडर के साथ एक ग्रे कलर की बाइक को जब्त किया है।

मेट्रो एंकर नगर में घूम रहे आवारा कुत्तों को लेकर नगरपालिका अलर्ट

बैनर्स पोस्टर के माध्यम से नागरिकों को किया जा रहा जागरूक

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शासन के निर्देश अनुसार नगर के आवारा कुत्तों को लेकर नगरपालिका अलर्ट मोड में आ गई है। आवारा कुत्तों से नागरिकों को बचाने के लिए नगर में युद्धस्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। चौक चौराहों पर बैनर्स पोस्टर लगाए गए हैं। साथ ही आवारा कुत्तों के काटने से बचाने के लिए नागरिकों को सावधान किया जा रहा है। स्कूल के आसपास पंपलेट चिपकाए गए हैं।

स्वच्छता प्रभारी उपयंत्री दीक्षा तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर समूचे नगर में जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी नोडल अधिकारी हैं। टीम में राजस्व शाखा के साथ ही सुरवाईजर्स भी शामिल किए गए हैं। जो वार्ड के नागरिकों को आवारा कुत्तों के कटाने से बचाने के लिए जागरूकता अभियान चला रहा हैं। साथ ही जनजागरूकता हेतु नगर के चौक चौराहों पर बैनर्स, पोस्टर लगाए गए हैं। साथ ही सुपरवाइजर्स द्वारा वार्डों में जाकर आवारा कुत्तों से सतर्क रहने की हिदायत दी जा रही है।

सावधान करने टीम का गठन किया

नगरपालिका द्वारा डाग कैचर वाहन भी तैयार किए गए हैं। टीम का गठन कर शासन के निर्देश पर जनजागरूकता अभियान के लिए नगरपालिका द्वारा एक टीम का गठन किया गया है। जिसमें स्वच्छता निरीक्षक, राजस्व शाखा और सुपरवाइजर्स शामिल हैं जो लगातार गली मोहल्लों और वार्डों में जाकर नागरिकों को सावधान कर रहे हैं। डाग केचिंग के लिए वाहन भी बनवाए गए हैं।
-हेमेश्वरी पटले, मुख्य नगरपालिका अधिकारी,नगरपालिका परिषद, नर्मदापुरम

न्यूज विंडो

50वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का किया आयोजन

तेंदूखेड़ा। श्री गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठ परिजन एवं नगर के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की 50वीं वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में भव्य पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन श्रद्धा एवं आस्था के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर शोभाराम नामदेव एवं उनकी धर्मपत्नी के दांपत्य जीवन के स्वर्णिम पचास वर्ष पूर्ण होने पर परिजनों, इष्ट मित्रों एवं गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया। महायज्ञ का आयोजन वैदिक मंत्रोच्चार, आहुतियों एवं सामूहिक प्रार्थनाओं के साथ संपन्न हुआ, जिसमें वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक और भक्तिमय बना रहा। महायज्ञ के दौरान उपस्थित परिजनों एवं श्रद्धालुओं ने दंपति के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में संपूर्ण नामदेव परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही, वहीं नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों, वरिष्ठजनों तथा गायत्री परिवार के सक्रिय परिजन बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टीजनों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने श्री नामदेव के सामाजिक, पत्रकारिता एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में किए गए योगदान की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रदान कीं। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है और उनके संस्कार, सेवा भाव एवं समर्पण से युवा पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलता है।कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण एवं आपसी मंगलकामनाओं के साथ हुआ। संपूर्ण आयोजन श्रद्धा, सौहार्द एवं पारिवारिक आत्मीयता का अनुपम उदाहरण बना।

धरोहर बचाएं: लघु वनोपज के समाप्त होने से कुटीर उद्योग का हो गया अंत, बुंदेलखंड के हरे-भरे जंगल वीरान हो रहे

महुआ के वृक्ष विलुप्त होने की कगार पर अवैध कटाई से अस्तित्व बचाना मुश्किल

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जंगल माफिया की मजबूत पकड़ के चलते बुंदेलखंड के जंगलों में बहुतायत में पाए जाने वाले महुआ और अचार के वृक्षों का अस्तित्व बचा पाना मुश्किल भरा काम नजर आ रहा है। सागौन के हरे-भरे वृक्षों के बाद औषधीय उपयोग में आने वाले इन वृक्षों का व्यावसायिक उपयोग होने के कारण जंगल माफिया और राजनीतिक जनप्रतिनिधियों की वक्र दृष्टि होने से इन वृक्षों की संख्या क्षेत्र में नगण्य रह गई है। मानव जीवन वनस्पति पर निर्भर है, किंतु इंसानी कृत्यों के चलते जंगलों के आस्तित्व बचाए रखना चुनौती से कम नहीं है। बुन्देलखंड के हरे भरे जंगल वीरान हो रहे है।

बुंदेलखंड के जंगलों में पाए जाने वाले अचार, सलैया, खैर, बबूल आदि प्रजाति के वृक्ष विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुके हैं। अनदेखी एवं मानव की आर्थिक लाभ कमाने की अतृप्त वासना के चलते समृद्धि का प्रतीक कहे जाने वाले महुआ प्रजाति के वृक्षों का अस्तित्व संकट में पहुंच रहा है। बुंदेलखंड अंचल के जंगलों में 50 फीसदी महुआ के जंगल पाए जाते थे, इतना ही नहीं

प्रत्येक खेत में एक पेड़ महुए का हुआ करता था। जिसकी सुरक्षा फसल की तरह की जाती थी। इसका फूल-फल, तना एवं जड़ औषधि युक्त एवं बहुपयोगी होने के चलते ग्रामीण परिवेश में इसे विपत कटावन कहा जाता था, किंतु बदलते राजनीतिक परिवेश में इसके व्यावसायिक उपयोग के चलते महुआ प्रजाति के अस्तित्व को बचाना एक चुनौती से कम नहीं रह गया। व्यावसायिक उपयोग में जहां फर्नीचर बनाने में इसका उपयोग हो रहा है, वहीं ईंट भट्टों के बढ़ते प्रचलन में ईंट-भट्टा पकाने में हो रहे उपयोग के चलते खेतों से गायब होने के साथ जंगलों से महुआ के पेड़ विलुप्ती की कगार पर पहुंच रहे हैं।

औषधि में फूल का होता है उपयोग

महुआ का सपोटेसी परिवार का पेड़ है, जिसका वानस्पतिक नाम मधुका लॉगिफोलिआ है। आयुर्वेदिक में इसका विशेष महत्व बताया गया है। महुआ फूल में काफी अधिक पोषण होता है, इसे ताजा खाने से अनेक बीमारियां दूर होती हैं। महुआ फूल के ताजा रस के उपयोग से हड्डियों के जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है सूखे हुए फूलों से शराब बनाई जाती है महुआ की छाल के उपयोग से ब्लड शुगर कम होती है। महुआ के पेड़ की जड़ों से निकलने वाली कुछ छोटी-छोटी जड़ों का काढ़ा बनाकर पीने से बुखार ठीक होता है, जबकि इसके फल (गुली) से तेल निकाला जाता है जिसे आम बोलचाल में गुलिया तेल कहते हैं जिसका उपयोग साबुन एवं सुगंधित क्रीम बनाने में किया जाता है, साथ ही इसके तेल का उपयोग बात रोग जैसी बीमारी में भी किया जाता है।

एक कुटीर उद्योग का अंत हो गया

लघु वनोपज के तहत आने वाले अचार महुआ प्रजाति में अचार प्रजाति के वृक्षों के विलुप्त प्रजाति में शुमार होने से एक कुटीर उद्योग का अंत हो गया। बुन्देलखंड के इस इलाके में आचार से चिरोंजी निकाल कर बाहर सप्लाई की जाती थी, किन्तु स्वार्थपूर्ण राजनीति एवं वन विभाग की अनदेखी के चलते वर्तमान समय में जंगलों में अचार प्रजाति के वृक्ष तलाश करने पर भी नहीं मिल रहे हैं।

अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टरों की गैरहाजिरी से ओपीडी रही ठप

ओपीडी से डॉक्टर नदारद, कतार में लगकर मजबूर मरीजों को घंटों करना पड़ रहा इंतजार

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति सोमवार को उस समय उजागर हो गई, जब इलाज की आस लेकर पहुंचे सैकड़ों मरीज घंटों तक डॉक्टरों का इंतजार करते रह गए। अस्पताल की ओपीडी तो समय पर खुली, लेकिन जिन डॉक्टरों पर इलाज की जिम्मेदारी है, वे नदारद नजर आए। नतीजतन मरीजों की भीड़, अव्यवस्था और नाराजगी ने अस्पताल परिसर को अव्यवस्थित कर दिया। पत्रिका टीम ने 11.30 बजे अस्पताल का जायजा लिया तो यहां अधिकांश डॉक्टर ओपीडी से नदारद रहे। अस्पताल में हर रोज करीब एक हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति ने पूरे सिस्टम को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और गंभीर रोगों से पीड़ित मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। कई मरीज जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे, तो कई दीवारों का सहारा लेकर खड़े रहे। लंबे इंतजार के चलते कुछ मरीज बिना इलाज कराए ही लौटने को

मजबूर हो गए। जिला अस्पताल की यह स्थिति बताती है कि आमजन के लिए सरकारी अस्पताल अब भरोसे से ज्यादा मजबूरी बनते जा रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के पास निजी अस्पताल का विकल्प नहीं होता, इसलिए उन्हें इसी अव्यवस्था में इलाज की उम्मीद लगाए बैठे रहना पड़ता है। अब सवाल यह है कि जब जिला अस्पताल में रोजाना हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं, तो डॉक्टरों की समयबद्ध उपस्थिति और वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं सुनिश्चित की जाती।

मरीजों का कहना है कि जिला अस्पताल में डॉक्टरों का समय पर न पहुंचना अब आम बात हो गई है। सुबह से ओपीडी में पर्ची कटवाने के बाद घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार दोपहर तक भी डॉक्टर नहीं आते। इससे न सिर्फ मरीजों को शारीरिक परेशानी होती है, बल्कि मानसिक तनाव भी झेलना पड़ता है। ओपीडी में मौजूद नर्सिंग और सहायक स्टाफ असहज स्थिति में नजर आया। स्टाफ का कहना था कि डॉक्टर आएंगे, लेकिन कब आएंगे इसकी कोई स्पष्ट जानकारी उन्हें भी नहीं दी जाती। इससे मरीजों के सवालों का जवाब देना उनके लिए भी मुश्किल हो जाता है।

संभाग के आयुक्त अनिल सुचारी ने निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक ली

सड़क खोदने के बाद उसे उसी हाल में न छोड़ें, गड्ढे तुरंत भरे जाएं: संभागायुक्त

सागर। दोपहर मेट्रो

संभाग के आयुक्त अनिल सुचारी ने लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई और सेतु निगम सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक ली।आयुक्त अनिल सुचारी ने निर्देश दिए कि ब्लैक स्पॉट पर तत्काल कार्रवाई करें। उन्होंने सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि संभाग में सभी ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) चिह्नित किए जाएं और वहां आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। यहां स्पीड ब्रेकर, मिरर, साइनेज आदि का उचित प्रयोग करें। सड़क खोदने के बाद उसे उसी हाल में न छोड़ा जाए। जनता की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए सड़कों के गड्ढे तुरंत भरे जाएं ताकि आवागमन सुगम हो और लोगों को राहत मिले।

सुचारी ने पुराने लंबित कार्यों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अतिरिक्त संभाग आयुक्त ने अधिकारियों से उन प्रकरणों की सूची मांगी है जो जमीन आवंटन न होने के कारण रुके हुए हैं, ताकि प्रशासन स्तर पर

उनका निराकरण किया जा सके। निर्माण और रेस्टोरेशन साथ-साथ उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के साथ-साथ रेस्टोरेशन का कार्य भी समानांतर चलना चाहिए। सड़क खोदने के बाद उसे उसी हाल में न छोड़ा जाए। जनता की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए आयुक्त ने कहा कि सड़कों के गड्ढे तुरंत भरे जाएं ताकि आवागमन सुगम हो और लोगों को राहत मिले। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय सीमा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माण एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्माण के कारण आम जनता को असुविधा न हो।

बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास राजेश शुक्ला सहित लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, एनएचएआई, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु निगम, भवन विकास निगम और म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

बेकाबू घोड़ी दूल्हा सहित कुएं में कूदी

खंडवा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के खंडवा में गजब घटना घटी। यहां के एक गांव में बारात लगी। दूल्हे को सजीधजी घोड़ी पर बैठाकर बाराती ढोल-और डीजे की धुन पर नाचने लगे। इस तरह बारात धीरे धीरे आगे बढ़ रही थी कि दूल्हे की घोड़ी अचानक बेकाबू हो गई। वह दूल्हा सहित सरपट भाग उठी। घोड़ी के दौड़ते ही दूल्हा घबराया और तुंरत नीचे छलांग लगा दी। इधर घोड़ी सरपट भागते हुए एक कुएं में कूद गई। उसे बमुश्किल बाहर निकाला जा सका। घटना से बारात में खलबली मच गई। बताया जा रहा है कि बारात में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। घोड़ी इतना शोरगुल सहन नहीं कर सकी और बिदक गई। डीजे के तेज शोर से कितनी गंभीर घटना घट सकती है, क्या अनहोनी हो सकती है- खंडवा के पंधाना के पास फतेहपुर में इसकी एक बानगी सामने आई है। बेहद तेज आवाज में धड़कते डीजे के कारण बारात की घोड़ी बिदक गई और पास के कुएं में कूद पड़ी। गनीमत रही कि दूल्हे ने समय रहते घोड़ी से नीचे छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। फतेहपुर में आवल्या विट्ठल गांव से बारात आई थी। दूल्हा घोड़ी पर बैठा था और बाराती ढोल व डीजे की तेज आवाज पर नाचते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे। तभी घोड़ी बेकाबू होकर दौड़ गई। दूल्हे ने सूझबूझ दिखाते हुए घोड़ी से छलांग लगा दी। इधर घोड़ी एक खुले कुएं में जा गिरी। घटना से बाराती भी घबरा उठे। लोगों ने घोड़ी को पानी में डूबने से बचाने के लिए तुरंत कवायद शुरू कर दी। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

आपस में भिड़े विधायक और नपाध्यक्ष के रिश्तेदार, वीडियो वायरल

भिंड। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका के साधारण सम्मेलन में सोमवार को विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह और नपा अध्यक्ष के चचिया ससुर सुनील हुआ। वाल्मीक के बीच तीखी बहस हो गई। दोनों आमने सामने आ गए। बाद में बैठक से सुनील वाल्मीकि को बाहर ले जाया गया तब मामला शांत हुआ।

विधायक ने अध्यक्ष के वार्ड में विकास कार्य न होने का मामला उठाया। इस पर सुनील वाल्मीकि ने खड़े होकर माइक खींचकर बात रखनी चाहिए तो विधायक ने उन्हें यह कहते हुए रोक दिया कि बैठक में अनाधिकृत व्यक्ति को बोलने का अधिकार नहीं है। इस पर तनातनी की स्थिति बनी गई और बाद में नेता प्रतिपक्ष राहुल सिंह कुशवाह वाल्मीकि को

बैठक स्थल से बाहर ले गए। विधायक ने कहा कि बैठक का संचालन अध्यक्ष या उपाध्यक्ष ही करते हैं। इस घटना म के दौरान अध्यक्ष शांत बैठी रहीं। नपाध्यक्ष वर्षा वाल्मीकि की अध्यक्षता में आयोजित विकास एवं निर्माण कार्यों की बैठक में पार्षदों ने इटावा चुंगी पर एक दुकान के नवीनीकरण के प्रस्ताव का भी विरोध किया, लेकिन बाद में उसे पारित कर दिया गया। जबकि गौरव दिवस के लिए 12 की जगह आठ लाख रुपए का प्रस्ताव पारित किया गया। इसका आयोजन चार मार्च को खंडा रोड पर किया जाएगा। वहीं वार्ड 22 में शहीद जितेंद्र सिंह के नाम से पार्क का नामकरण, झूला सेक्टर 25 लाख रुपए पर एक व्यक्ति को देने, मैरिज गार्डन की सूची बनाकर नोटिस जारी करने और जुर्माना लगाने सहित 76 प्रस्ताव पारित किए गए। जिनमें 50 करोड़ रुपए से अधिक के निर्माण एवं विकास कार्य भी शामिल हैं। मेला लगाने के लिए 75 लाख रुपए के बजट का प्रावधान किया गया था, जिसमें आठ लाख रुपए से वॉलीबाल प्रतियोगिता इस बार नहीं कराने का निर्णय लिया गया है। बाकी रामलीला, दंगल एवं अन्य आयोजन पूर्व की तरह होंगे।

मेट्रो एंकर

तेजगढ़ वन परिक्षेत्र का मामला, ग्रामीणों में मचा हड़कंप

व्यारमा नदी से निकलकर खेतों में पहुंचा मगरमच्छ, वन विभाग ने पकड़ा

कतेन्दूखेड़ा/तेजगढ़ हर्रई। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हिनौती पुतरी घाट के रैयत हार में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक किसान के गेहूं के खेत में अचानक मगरमच्छ दिखाई दिया। जानकारी के अनुसार किसान महाराज सिंह, पिता करन सिंह के खेत में सुबह मगरमच्छ गेहूं की फसल के बीच आ गया था। खेत ब्यारमा नदी से लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मगरमच्छ नदी से निकलकर खेतों में जा पहुंचा। व्यारमा नदी में बड़ी संख्या में मगरमच्छ पाए जाते हैं और आए दिन ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जिससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। खेतों में काम करने वाले किसान अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। घटना की

सूचना ग्राम के जनपद सदस्य लोकपाल सिंह 'लकी' द्वारा तेजगढ़ रेंज कार्यालय एवं वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही तेजगढ़ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे के निर्देशन में बीट गार्ड कमलेश राय, रवि रैकवार तथा अन्य वनकर्मियों एवं ग्रामीणों के सहयोग से मगरमच्छ का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। काफी सतर्कता और सावधानी बरतते हुए मगरमच्छ को खेत से बाहर निकालकर कब्जे में लिया गया। रेस्क्यू के बाद मगरमच्छ को फिलहाल सुरक्षित रूप से तेजगढ़ रेंज कार्यालय में रखा गया है। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि मगरमच्छ को मंगलवार की सुबह वाहन से भोपाल भेजा जाएगा, जहां उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़े जाने की प्रक्रिया की जाएगी। वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे ने अपील की है कि यदि किसी भी रिहायशी क्षेत्र, खेत या गांव के आसपास मगरमच्छ या अन्य वन्य जीव दिखाई दें तो घबराएं नहीं और तुरंत वन विभाग को सूचना दें। वन विभाग की टीम तत्परता से मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करेगी। वन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। क्षेत्र में वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखने की बात भी कही गई है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से लोगों को सुरक्षित रखा जा सके।

अवैध उत्खनन पर कार्रवाई, मुरम से भरे डम्पर व ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध खनन एवं परिवहन को रोकने के लिए कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशानुसार निरंतर कार्यवाही की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मुरुम से भरे एक डम्पर एवं एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया। यह कार्रवाई नरयावली क्षेत्र में की गई। जप्त किए गए दोनों वाहनों को थाना नरयावली परिसर में खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग द्वारा बताया गया कि पकड़े गए वाहनों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है तथा प्रकरण तैयार कर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

टी20 वर्ल्ड कप: 15 फरवरी को होगा हाई वोल्टेज मुकाबला

भारत-पाक मैच के रोमांच के बीच ट्रापी चोर नकवी घसीट लाया आसिम मुनीर का नाम

इस्लामाबाद , एजेंसी

पाकिस्तान अपनी नीचता का प्रदर्शन कभी नहीं छोड़ता। चाहे वह इंटरनेशनल मंच हो या क्रिकेट का मैदान। भारत-पाक मैच विवाद पर भी पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी औकात दिखा दी है। ट्रॉफी चोर मोहसिन नकवी ने चापलूसी की हद उस वक्त पार कर दी, जब उन्होंने भारत-पाक मैच के रोमांस के बीच आसिम मुनीर का नाम घसीट लाया। जी हां, भारत के साथ 15 फरवरी को टी20 वर्ल्ड कप मैच खेलने के लिए पाकिस्तान राजी हो गया है। हालांकि, इसके कुछ ही घंटे पहले मोहसिन नकवी ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का नाम लेकर एक और विवाद खड़ा कर दिया। भारत-पाकिस्तान मैच का ड्रामा खत्म होने से ठीक कुछ घंटे पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का नाम लिया और कहा कि हम किसी की धमकी से नहीं डरते। न भारत की, न आईसीसी की। और आसिम मुनीर तो कभी डरते ही नहीं। यह बात तब कही गई जब पाकिस्तान सरकार अभी भी मैच बहिष्कार की धमकी दे रही थी। लेकिन कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने यू-टर्न ले लिया और टीम को 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ खेलने की इजाजत दे दी। ट्रॉफी चोर मोहसिन नकवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'न तो मुझे भारत और आईसीसी की धमकियों से डर लगता है, न पाकिस्तान सरकार को। और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर के बारे में तो आप जानते ही हैं, वो कभी डरते नहीं।' सूत्रों का कहना है कि मोहसिन नकवी ने जानबूझकर आर्मी चीफ आसिम मुनीर का नाम लिया ताकि क्रिकेट का मामला सेना और सरकार के बीच का संदेश बन जाए। वैसे भी मोहसिन नकवी खुद पाकिस्तान के इंटीरियर यानी गृह मंत्री भी हैं।

आसिम मुनीर का नाम क्यों आया?

पाकिस्तान के मोहसिन नकवी ने आसिम मुनीर का नाम यूं ही नहीं लिया। वह ऑपरेशन सिंदूर वाले दर्द को छिपाने कोशिश करते दिखे। मई 2025 में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया। चार दिन तक दोनों तरफ तनाव रहा। भारत ने पाकिस्तान को बहुत जख्म दिए। मगर पाकिस्तान ने इसे अपनी जीत बताते हुए जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल का सबसे बड़ा रैंक दे दिया। यह रैंक 1959 के बाद किसी को नहीं मिला था। पाकिस्तान सरकार ने कहा कि मुनीर की बहादुरी की वजह से देश सुरक्षित रहा। अब मोहसिन नकवी ने उसी मुनीर का नाम लेकर दिखाना चाहा कि पाकिस्तान मजबूत है और किसी दबाव में नहीं आएगा। लेकिन कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान झुक गया। उसने भारत के साथ मैच खेलने का फैसला कर लिया। मोहसिन नकवी सेना के सबसे बड़े अफसर का नाम लेकर अपनी ताकत दिखा रहे हैं। कई लोग इसे सेना की चापलूसी बता रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले बांग्लादेश के साथ खड़े होने के नाम पर मैच न खेलने की बात कही थी। अब जब आईसीसी ने उसको रगड़ा तो उसे अपनी औकात समझ आ गई।

बांग्लादेश पर कोई एक्शन नहीं लेगा आईसीसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को कहा कि भारत में अपने टी20 वर्ल्ड कप मैच खेलने से इनकार करने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर किसी भी तरह का जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि यह फैसला बीसीबी के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बातचीत के बाद लिया गया है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की घोषणा की थी। आईसीसी ने एक बयान में कहा, इस बात पर सहमति बनी है कि मौजूदा मामले में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर कोई भी आर्थिक, खेल संबंधी या प्रशासनिक दंड नहीं लगाया जाएगा। यह भी स्वीकार किया गया है कि बीसीबी को, यदि वह चाहे, तो विवाद समाधान समिति (डीआरसी) से संपर्क करने का अधिकार बना रहेगा। यह अधिकार आईसीसी के मौजूदा नियमों के तहत मौजूद है और पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए मौजूदा मेगा इवेंट के लिए भारत की यात्रा करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया। विश्व क्रिकेट संस्था ने यह भी कहा कि आपसी समझ के तहत बांग्लादेश 2028 से 2031 के बीच किसी एक आईसीसी टूर्नामेंट की मेज़बानी भी करेगा। आईसीसी के अनुसार, इस समझौते के तहत यह तय किया गया है कि आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2031 से पहले बांग्लादेश एक आईसीसी इवेंट की मेज़बानी करेगा, जो सामान्य आईसीसी मेज़बानी प्रक्रियाओं, समय-सीमा और संचालन संबंधी आवश्यकताओं के अधीन होगा।

बाबर पाकिस्तान के सिरदर्द-

टी20 में टेस्ट जैसा स्ट्राइक रेट फिर भी टीम में, बेंच पर बैठे हैं विस्फोटक फखर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम और टीम मैनेजमेंट की एक बड़ी समस्या यह है कि वह अहम मौकों पर अपने स्टार खिलाड़ियों को ही बाहर बैठा देता है। जिस टी20 फॉर्मेट में ऐसे बल्लेबाजों की जरूरत होती है, जो तेजी से रन बटोर सकें, वहीं पाकिस्तान उन बल्लेबाजों को मौका दे रहा है, जो टी20 में टेस्ट जैसे स्ट्राइक रेट से खेलता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं बाबर आजम की। बाबर भले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हों, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट हमेशा सवालों के घेरे में रहा है। वह पाकिस्तान के लिए मैच विनर नहीं, बल्कि सिरदर्द साबित हो रहे हैं। उनकी वजह से पाकिस्तान की टीम फखर जमां जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को नहीं खिला पा रही है। पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स को हरा तो दिया, मगर यह जीत जितनी आसान दिखनी चाहिए थी, उतनी रही नहीं। कागज पर समीकरण साफ था, 53 गेंद में 50 रन, हाथ में सात विकेट। टी20 में इसे लगभग औपचारिकता माना जाता है, लेकिन नंबर चार पर उतरे बाबर आज़म 18 गेंद में सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गए। रन गति थमी, दबाव बढ़ा और मैच आखिरी ओवरों तक खिंच गया। आखिर में फहीम अशरफ की तेज बल्लेबाजी ने पाकिस्तान को बचा लिया, वरना कहानी कुछ और भी हो सकती थी। यहीं से असली बहस शुरू होती है कि क्या बाबर आज़म मौजूदा टी20 प्लान में सही जगह पर हैं? टी20 क्रिकेट अब इरादों का खेल है। खासकर नंबर चार पर बल्लेबाज से उम्मीद होती है कि वह आते ही मैच की रफ्तार बढ़ाए। बाबर को किंग बाबर कहा जाता है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी जिम-बाबर जैसी है। जिम बाबर इसलिए क्योंकि उनके देश के फैंस ही मानते हैं कि बाबर सिर्फ जिम्बाब्वे के खिलाफ ही रन बनाते हैं।

जिद या जरूरत?

पाकिस्तान को कठोर फैसला लेना पड़ सकता है। बड़े नाम हमेशा बड़ी जगह की गारंटी नहीं होते, खासकर टी20 में। टीम बैलेंस ज्यादा अहम है। अगर किसी खिलाड़ी की शैली मौजूदा प्लान से मेल नहीं खा रही, तो बदलाव पर सोचना ही पड़ेगा। बेंच पर बैठे फखर जमां उसी तरह की विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं, जिसकी नंबर चार पर जरूरत है। उनका स्ट्राइक रेट बताता है कि वह शुरुआत से ही गेंदबाज पर हमला कर सकते हैं। कम औसत के बावजूद उनका इम्पैक्ट ज्यादा है और टी20 में यही चीज चलती है। ख्वाजा नफे भी एक विकल्प हो सकते हैं, जिनके पास तेजी से रन बनाने की काबिलियत है। नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच जीतकर पाकिस्तान ने दो अंक जरूर ले लिए, लेकिन बल्लेबाजी की कमजोरी खुलकर सामने आ गई। बड़ी टीमों के खिलाफ यही ढील भारी पड़ सकती है। समाधान मौजूद हैं, पर हिम्मत भी चाहिए। और यही असली परीक्षा है टीम मैनेजमेंट की। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी बाबर आजम की हालिया अस्थिर फॉर्म पर अपनी राय रखी है।

किम कर्दाशियन- हैमिल्टन ने रिश्ते पर लगाई मुहर? कैमरे में कैद हुई केमिस्ट्री

कैलिफॉर्निया । सुपर बाउल एलएक्स में किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन की साथ मौजूदगी ने उनके रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को नई हवा दे दी। यूरोप में साथ वक्त बिताने की खबरों के बाद यह पहली बड़ी सार्वजनिक उपस्थिति थी। फिलहाल दोनों ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन तस्वीरें बहुत कुछ कह रही हैं। सुपर बाउल एलएक्स के दौरान एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने एंटरटेनमेंट दुनिया में हलचल मचा दी। किम कर्दाशियन और फॉर्मूला-वन स्टार लुईस हैमिल्टन कैलिफोर्निया के सांता क्लारा स्थित लेवीज स्टेडियम में मैच का आनंद लेते हुए साथ दिखाई दिए।

इंटरनेशनल ब्रॉडकास्ट में दोनों को साथ देखकर रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों ने और जोर पकड़ लिया। कई वर्षों से दोस्त रहे किम (45) और हैमिल्टन (41) को पहली बार इस तरह आधिकारिक अंदाज में साथ देखा गया तो फैंस कहने लगे कि दोनों ने अपना रिश्ता लगभग ऑफिशियल कर दिया है। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो गए, जिनमें दोनों बातचीत करते और मुस्कुराते नजर आए।

इस खास मौके पर किम ने ब्लैक कोट और डायमंड चोकर पहना था। उन्होंने नए बैंग्स हेयरस्टाइल के साथ एंट्री ली। उनके हेयरस्टाइलिस्ट क्रिस एपलटन ने मैच से पहले फोटो शेयर करते हुए लिखा, %सुपर बाउल बैंग्स।

यूरोप ट्रिप से बढ़ीं चर्चाएं

रिपोर्ट्स के मुताबिक सुपर बाउल से पहले दोनों यूरोप में भी साथ वक्त बिता चुके हैं। वे कॉट्सवॉल्ड्स के एस्टेल मैनर में ठहरे, जहां प्राइवेट डिनर की खबरें भी सामने आईं। इसके बाद लंदन और फिर पेरिस तक उनका सफर चला। द सन से बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, किम और लुईस दोनों के काम के शेड्यूल बहुत व्यस्त हैं, इसलिए वे ज्यादा से ज्यादा समय साथ बिताना चाहते हैं। अभी वे अलग नहीं हो पा रहे और किम के काम के हिसाब से डेट्स प्लान कर रहे हैं। दोनों सितारों का नाम पहले भी कई चर्चित हस्तियों से जुड़ चुका है। किम का नाम कान्ये वेस्ट से तलाक के बाद ओडेल बेकहम जूनियर और पीट डेविडसन के साथ जोड़ा गया था। वहीं हैमिल्टन का नाम निकी मिनाज, रिहाना, गीगी हदीद और केंडल जेनर जैसी हस्तियों के साथ जुड़ता रहा है।

बीसीसीआई ने जारी की वार्षिक अनुबंध की लिस्ट,

रोहित शर्मा और कोहली को नुकसान, ए+ श्रेणी से हटाया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को 2025-26 सीजन (1 अक्तूबर, 2025-30 सितबंर, 2026) के लिए सीनियर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की घोषणा की। इसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। दोनों को ग्रेड बी में रखा गया है। वहीं, ग्रेड ए में शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा को रखा गया है। बीसीसीआई ने तीन खिलाड़ियों को ग्रेड ए में रखा है। इनमें वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा शामिल हैं। तीनों भारत के लिए दो प्रारूप में खेलते हैं। वहीं, महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को भी ग्रेड ए में रखा गया है। ग्रेड बी में 11 पुरुष खिलाड़ियों को रखा गया है। इनमें वाशिंगटन सुंदर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर शामिल हैं। इससे पहले रोहित और विराट ए+ वर्ग का हिस्सा थे, लेकिन अब बोर्ड ने इस वर्ग को खत्म कर दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड में शामिल किया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

लैला मजनू के सीन को देख फूट-फूटकर रोई थीं एकता कपूर, कहा-

खुद को संभालने में लगे थे पांच मिनट

मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर अपनी शानदार कहानियों के लिए दर्शकों के दिलों में खास पहचान रखती हैं। सोमवार को एकता ने फिल्म लैला मजनू के एक भावुक सीन के बारे में बताया, जिसने उन्हें बहुत रुला दिया था। एकता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का भावुक सीन पोस्ट किया। साथ ही, उसने उसके पीछे की कहानी के बारे में भी बताया है। सीन में कैस (फिल्म का मुख्य कलाकार) चार साल बाद लैला से मिलने जाता है और देखते ही बेहोश हो जाता है।

वीडियो में बताया गया है कि सीन में कैस इसलिए बेहोश हो जाता है क्योंकि चार साल में जब वह लंदन में रह रहा था, तो उसने अपने दिमाग में जिस लैला के बारे में सोचा था और जिससे वह मिलता उन दोनों को कनेक्ट ही नहीं कर पाता है। इस वजह से वह बेहोश हो जाता है। वीडियो में आगे लैला मजनू की कहानी कैसे इस फिल्म से कनेक्ट करती है, उसके बारे में भी बताया गया है।

एकता ने लिखा, ÷मैं अपने जीवन में किसी कहानी को सुनाते वक्त सिर्फ तीन बार रोई हूं। पहली बार क्योंकि सास भी कभी बहू थी के पहले एपिसोड में, जब मिहिर को बापूजी का जन्मदिन याद आता है। दूसरी बार द डर्टी पिक्चर की कहानी सुनाते समय, जब सिल्क की मौत होती है और तीसरी बार इस सीन में। एकता ने बताया कि इस सीन की नरेशन करने के दौरान वे इतनी रो पड़ी थीं कि उन्हें बीच में रुकना पड़ा था और खुद को संभालने में पूरे पांच मिनट लगे थे, जिसे देखकर खुद साजिद अली हैरान हो गए थे। एकता ने लिखा, ÷यह सीन मुझे आज भी उतना ही खूबसूरत और असरदार लगता है, जितना पहली बार सुनते समय लगा था।

एकता ने सीन की भावना को समझाया आसान शब्दों में

एकता ने सीन की भावना को आसान शब्दों में समझाते हुए लिखा, सोचिए, जब आप किसी से इतना गहरा प्यार करते हों कि उसे देखते ही बेहोश हो जाएं। फिल्म में लैला को हर कोई बार-बार कहता था कि देखो कैसे कैस लंदन में मजे कर रहा है, खुश है, लेकिन जब लैला अपने सामने उस दुबले-पतले, टूटे हुए इंसान को देखती है, जिसे वह प्यार करती थी, तो उसे किसी झूठ की जरूरत नहीं पड़ती। वह उसी पल समझ जाती है कि उसकी तरह ही उसकी रूह भी उसे बहुत याद कर रही थी। यह सीन प्यार की वो ताकत दिखाता है, जहां शब्दों की जगह दिल की आवाज बोलती है।

मेट्रो बाजार

भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा डीआईआई का दबदबा, हिस्सेदारी पहुंची 20 प्रतिशत के पार

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और यह अब 20 प्रतिशत से अधिक हो गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि 2025 की चौथी तिमाही में डीआईआई ने 23.4 अरब डॉलर का निवेश भारतीय शेयर बाजार में किया था। वहीं, 2025 में यह आंकड़ा 90.1 अरब डॉलर था। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि डीआईआई की खरीदारी ने न केवल एफआईआई की बिकवाली को संभालने में मदद की है, जो कि 2025 में 18.8 अरब डॉलर थी, बल्कि आईपीओ और एफपीओ के माध्यम से कंपनियों की ओर से पिछले साल जुटाए गए 1.95 लाख करोड़ रुपए की राशि को भी फंड करने में मदद की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 के बाद से शेयर बाजार में डीआईआई की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है और अब यह निफ्टी 500 में बढ़कर 20.6 प्रतिशत पर पहुंच गई है। वहीं, एफआईआई की हिस्सेदारी 18.4 प्रतिशत हो गई है। बीते एक साल में निफ्टी 500 में डीआईआई की हिस्सेदारी में 2.10 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 0.60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। एफआईआई की हिस्सेदारी में सालाना आधार पर 0.50 प्रतिशत की कमी और तिमाही आधार पर 0.10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

भारत बनेगा सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 27 में 6.4 फीसदी विकास दर का अनुमान

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक उत्साहजनक रिपोर्ट जारी की है। एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी 6.4 फीसदी की दर से बढ़ेगी। मूडीज के मुताबिक, इस रफ्तार के साथ भारत जी-20 देशों के समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

मुख्य कारण मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि भारत की इस मजबूत आर्थिक वृद्धि के पीछे मुख्य कारण घरेलू खपत और सरकार द्वारा उठाए गए नीतिगत कदम हैं। एजेंसी ने विशेष रूप से सितंबर 2025 में हुए वस्तु एवं सेवा कर के युक्तिकरण और व्यक्तिगत आयकर सीमा में की गई बढ़ोतरी का जिक्र किया है। मूडीज का मानना है कि इन सुधारों से उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति बढ़ी है, जो खपत-आधारित विकास को सहारा देगी। हालांकि, मूडीज का 6.4त्न का अनुमान भारत सरकार के अपने अनुमानों से थोड़ा रूढ़िवादी है। पिछले महीने संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 27 के लिए 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी की विकास दर का अनुमान लगाया था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की विकास दर 7.4 फीसदी रहने की उम्मीद है, जो कि 2024-25 में दर्ज की गई 6.5त्न की वृद्धि से काफी बेहतर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति पर टिप्पणी करते हुए मूडीज ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने 2025 में अब तक पॉलिसी रेट में कुल 125 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की है, जिससे दरें 5.25त्न पर आ गई हैं। महंगाई नियंत्रण में होने और ग्रोथ की गति मजबूत रहने के कारण, मूडीज का मानना है कि RBI वित्त वर्ष 2026-27 में मौद्रिक नीति में और ढील तभी देगा जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती के संकेत मिलेंगे।

विशाल भारद्वाज को भा गया 'अस्सी' का ट्रेलर, बोले- इसे कहते हैं फिल्म पत्रकारिता

समाज की कड़वी सच्चाई को बेनकाब करती अपकमिंग फिल्म अस्सी के दमदार ट्रेलर को आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारों की ओर से भी खूब सराहना मिल रही है। फिल्म निर्माता-निर्देशक विशाल भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे न केवल शानदार बल्कि असली फिल्म पत्रकारिता भी बताया।

अनुभव सिन्हा की नई फिल्म 'अस्सी' का ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री में खूब चर्चा बटोर रहा है। ट्रेलर में दिखाई गई तीखी कहानी, मजबूत संवाद और प्रभावशाली परफॉर्मेंस ने दर्शकों के साथ-साथ इंडस्ट्री के सितारों का भी ध्यान खींचा है। ट्रेलर को मिल रही तारीफों की कतार में विशाल भारद्वाज का नाम जुड़ चुका है। विशाल ने ट्रेलर को देखकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत दमदार और प्रभावशाली बताया।

विशाल भारद्वाज ने ट्रेलर को इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर निर्देशक अनुभव सिन्हा और अभिनेत्री तापसी पन्नू को मेंशन करते हुए लिखा, ÷कितना ड्रामैटिक, दमदार और काम का ट्रेलर है। इसे फिल्म पत्रकारिता कहते हैं, जो समाज को आईना दिखाती है।÷ 'मुल्क' और 'थप्पड़' जैसी दमदार फिल्मों का निर्माण कर चुके निर्देशक अनुभव सिन्हा अपनी शैली में 'अस्सी' के साथ वापसी कर रहे हैं। फिल्म में तापसी पन्नू लीड रोल में हैं। 2 मिनट 52 सेकंड का ट्रेलर रोजमर्रा की परेशान और नजरअंदाज करने वाली खबरों और महिलाओं पर होते जुल्म की संवेदनशील कहानी को पेश करता है। ट्रेलर में तापसी एक ऐसी वकील के रूप में नजर आई हैं।

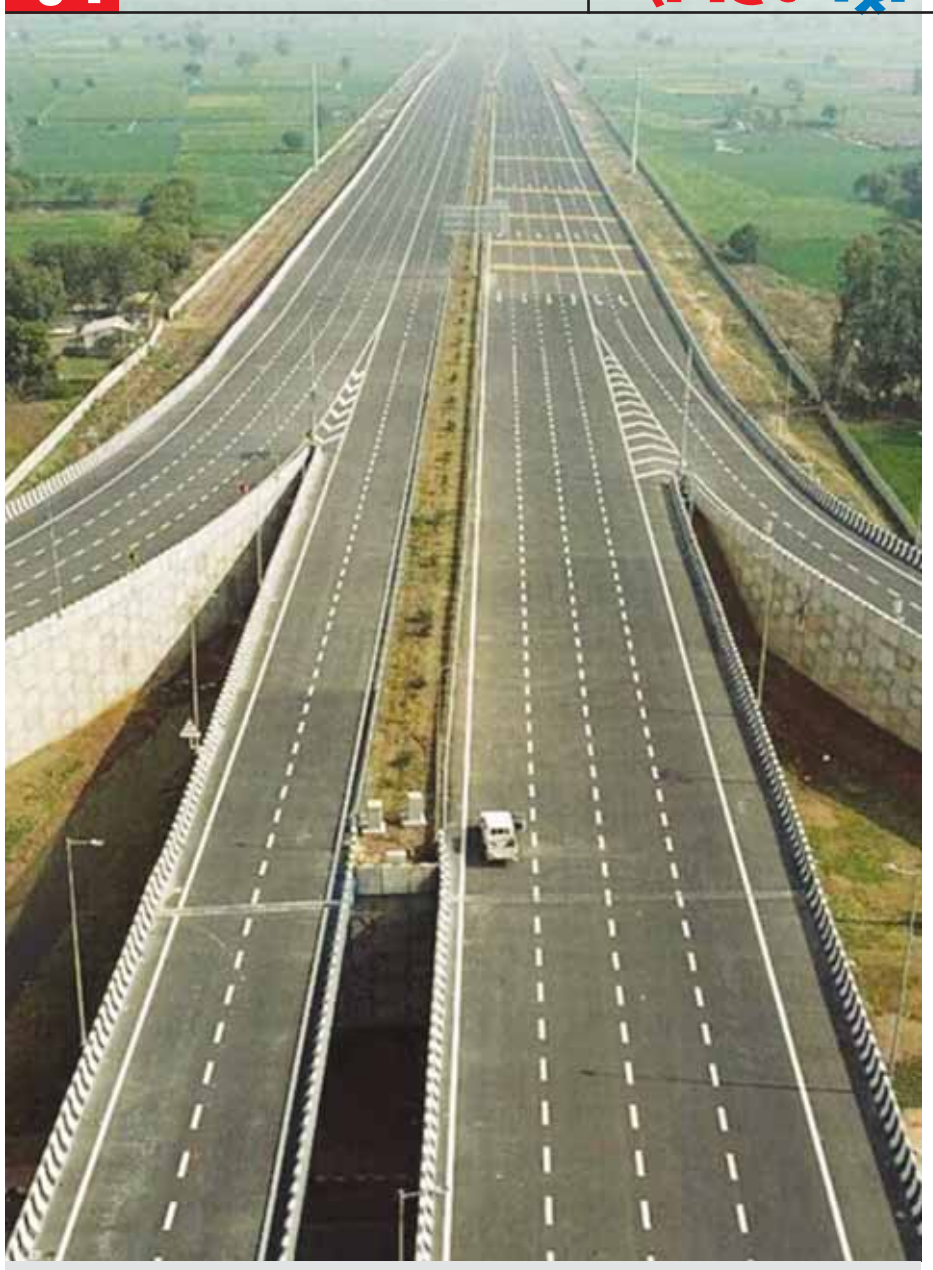

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से सीधे जुड़ेगा नोएडा

» तिगांव में बनेगा नया बाईपास, लाखों लोगों को मिलेगा फायदा

बल्लभगढ़ (फरीदाबाद)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को नोएडा से सीधा जोड़ने की तैयारी है। इसके लिए तिगांव में बाईपास बनाने की योजना पर काम शुरू हो चुका है।इस योजना के मूर्तरूप लेने से फरीदाबाद से नोएडा जाने लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। योजना को मंजूरी के लिए सरकार के पास भेजा जा चुका है और सभी दस्तावेज भी उपलब्ध करा दिए गए हैं। यह योजना पिछले चार वर्ष से अधर में लटकी हुई थी।तिगांव में मार्च-2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्थानीय विधायक और अब मंत्री राजेश नागर द्वारा आयोजित विकास रैली में आए थे। राजेश नागर की मांग पर तब सीएम मनोहर लाल ने तिगांव में एमआइटीसी की नहर के साथ बाईपास बनाने की घोषणा की थी।

■ एलन मस्क के दावे की फिर खुली पोल! नई फाइलों में हुआ खुलासा

■ ई-मेल से मिली जानकारी, पार्टी में और भी कई नामी-गिरामी लोग थे शामिल

एपस्टीन की 'उन्मादी' पार्टियों में शामिल हुए थे मस्क-जुकरबर्ग

वॉशिंगटन, एजेंसी

कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के दस्तावेजों ने जहां एक ओर पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में सार्वजनिक की गई नई एपस्टीन फाइलों ने उद्योगपति एलन मस्क के पुराने दावों पर भी सैंकड़ों सवाल खड़े कर दिए हैं। इन दस्तावेजों में दावा किया गया है कि एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग कैलिफोर्निया में आयोजित एक शाही डिनर पार्टी में शामिल हुए थे। इतना ही नहीं दावा यह भी किया जा रहा है कि यौन अपराधी एपस्टीन ने खुद इस पार्टी को उन्मादी बताया था।

दस्तावेज में एपस्टीन के लिखे एक ईमेल का भी जिक्र किया गया है। यौन अपराधी एपस्टीन ने ईमेल में लिखा था कि यह डिनर पार्टी बहुत ही 'उन्मादी' थी। इस पार्टी में अन्य टेक इंडस्ट्री के बड़े नाम भी मौजूद थे, जैसे रीड हॉफमैन और पीटर थील, जो एपस्टीन और उसके नेटवर्क के साथ कनेक्शन को उजागर करते हैं।

यह है पूरा मामला

हाल ही में जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी नई फाइल्स सार्वजनिक की गई हैं।इन फाइल्स में पता चला कि एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग एक शाही डिनर पार्टी में शामिल हुए थे।यह पार्टी कैलिफोर्निया में हुई थी।जेफ्री एपस्टीन ने इस पार्टी को अपने ईमेल में उन्मादी बताया।इस डिनर में अन्य टेक उद्योग के बड़े नाम भी मौजूद थे, जैसे रीड हॉफमैन और पीटर थील।यह खुलासा एलन मस्क के पुराने दावे से पूरी तरह उलट है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने एपस्टीन की किसी भी पार्टी में हिस्सा नहीं लिया।फाइल्स से पता चलता है कि एपस्टीन के नेटवर्क में टेक उद्योग के शीर्ष लोग भी शामिल थे।यह जानकारी अब दुनिया भर में बहस और जांच का कारण बन रही है।

मस्क के पुराने बयान और यह नए दावे

बता दें कि मस्क को लेकर एपस्टीन फाइल में किया गया ये दावा उनके पुराने बयानों के उलट है। मस्क ने कहा था कि उन्होंने जेफ्री एपस्टीन की किसी भी पार्टी में हिस्सा नहीं लिया। मार्क जुकरबर्ग का कहना था कि उन्होंने जेफ्री एपस्टीन से केवल एक बार संक्षिप्त रूप से मुलाकात की थी। ऐसे में अब नई फाइल्स में सामने आई तस्वीर और ईमेल उनके बयान से अलग नजर आ रही है।

ब्रिटेनः खतरे में पीएम की कुर्सी, स्टार्मर बोले-नहीं दूंगा इस्तीफा

अमेरिका में ब्रिटेन के राजदूत रहे पीटर मैंडलसन और यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन के संबंधों का खुलासा होने के बाद 19 महीने पुरानी ब्रिटिश सरकार के लिए एक गंभीर संकट पैदा होने के बीच प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने सोमवार को कहा कि वह अपने पद पर बने रहेंगे। अमेरिका में ब्रिटिश राजदूत रहे पीटर मैंडलसन और अपराधी जेफ्री एप्स्टीन के संबंधों का खुलासा होने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। वह लेबर पार्टी को मनाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह महज डेढ़ साल के कार्यकाल के बाद उन्हें पद से न हटाए।मैंडलसन को इस उच्च पदस्थ राजनयिक पद पर नियुक्त करने के निर्णय को लेकर प्रधानमंत्री पर सवाल उठाए जा रहे हैं। उनकी मध्य-वामपंथी लेबर पार्टी के कुछ सांसदों ने 2024 में पीटर मैंडलसन को राजनयिक नियुक्त करने के उनके फैसले के लिए उनसे इस्तीफा देने का आह्वान किया है।

न्यूज विंडो

सेना पर कहर बन टूट रहे बलूच विद्रोही अब तक मारे गए 400 पाक फौजी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सैनिकों के सामने बलूच लड़ाके बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। पाकिस्तान का आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर जिस बलूचिस्तान को पाकिस्तान के माथे का झूमर बताता था वही बलूचिस्तान अब मुनीर के हाथ से फिसलता नजर आ रहा है। बलूचिस्तान में आजादी की जंग तेज हो गई है। बलूच विद्रोही पाकिस्तानी सेना पर कहर बनकर टूट रहे हैं। 31 जनवरी से शुरू हुए बीएलए के ऑपरेशन हेरोफ 2.0 में अब तक करीब 400 पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मी मारे जा चुके हैं। पाक फौज पर हावी पड़ रहे बलूच विद्रोही क्वेटा से लेकर नोशकी तक बलूचिस्तान के दर्जनभर से ज्यादा जिलों में इस समय बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके पाकिस्तानी फौज पर हावी पड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बीएलए विद्रोहियों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तानी फौज अब टैंक के साथ सड़क पर उतर आई है। टैंकों का साथ भी पाकिस्तानी फौजी बीएलए का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं।

भारत को रोकने की कोशिश, तेल खरीद को लेकर भड़का रूस

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने टीवी को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका पर निशाना साधा और कहा कि भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिशें हो रही हैं। इस बात की जानकारी स्पुतनिक ने दी।रूस के विदेश मंत्री ने पिछले साल अलास्का में हुई शांति वार्ता जैसे कई मामलों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वॉशिंगटन ने टैरिफ, बैन और सीधे रोक जैसे जबरदस्ती

वाले तरीकों का इस्तेमाल करते हुए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है।लावरोव ने कहा, 'वे (अमेरिका) हमसे कहते हैं कि यूक्रेन की समस्या का हल होना चाहिए। एंकरेज में हमने अमेरिका का प्रपोजल मान लिया। यूएस की स्थिति हमारे लिए जरूरी थी। उनका प्रपोजल मानकर, ऐसा लगता है कि हमने यूक्रेनी मुद्दे को सुलझाने का काम पूरा कर लिया है और एक बड़े पैमाने पर और आपसी फायदे वाले सहयोग की ओर बढ़ रहे हैं। अभी तक, असलियत बिल्कुल उलटी है। 'उन्होंने आगे कहा, 'नए बैन लगाए गए हैं, यूएन कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ द सी का उल्लंघन करते हुए खुले समुद्र में टैंकरों के खिलाफ 'जंग' छेड़ी जा रही है। वे भारत और हमारे दूसरे साझीदारों को सस्ते, किफायती रूसी एनर्जी रिसोर्स (यूरोप पर लंबे समय से बैन है) खरीदने से बैन करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें बहुत ज्यादा कीमतों पर यूएस खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। '

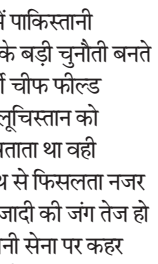

» 'ठाकुर हूं मैं' वाले वीडियो पर बैंककर्मी की सफाई, कहा-

सहकर्मी के पति से था विवाद अपनी जाति पर मुझे गर्व है

कानपुर, एजेंसी

कानपुर में पनकी स्थित एक प्राइवेट बैंक के अंदर एक महिला कर्मचारी का किसी पर गुस्सा दिखाते हुए वायरल वीडियो सोमवार को खूब चर्चा में रहा। वीडियो में एक महिला कर्मचारी को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि ठाकुर हूं मैं मुझसे उलझना मत। महिला कर्मी की ओर से कुछ अभद्र भाषा बोलने पर उसके सहकर्मियों ने उसे रोकना चाहा, तो वीडियो में उन्हें अनसुना करते हुए किसी ग्राहक पर जमकर गुस्सा उतारते हुए महिला दिखाई दे रही है।इस दौरान वह ग्राहक पर लैपटॉप फेंकने का प्रयास भी करती हुई दिख रही है। बैंक कर्मी का नाम आस्था सिंह बताया जा रहा है। अब इस मामले में बैंक कर्मी आस्था सिंह अपनी सफाई पेश की है।

आत्मसम्मान में कही थी ये बात

आस्था के मुताबिक, वायरल हो रहा वीडियो किसी बैंक ग्राहक के साथ विवाद का नहीं है। यह झगड़ा उनकी ही एक सहकर्मी के पति के साथ हुआ था। उन्होंने बताया कि यह वीडियो पुराना है और छह जनवरी का है, जिसे अब गलत संदर्भ में वायरल किया जा रहा है। अपने विवादित बयान ठाकुर हूं मैं...पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी जाति पर गर्व है और उन्होंने यह बात आत्मसम्मान में कही थी।

विपक्षी सांसदों के पत्र के जवाब में भाजपा की महिला सांसदों ने खोला मोर्चा

नई दिल्ली। लोकसभा में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी है। अब विपक्ष की महिला सांसदों के खिलाफ भाजपा की महिला सांसदों ने भी मोर्चा खोल दिया है। भाजपा सांसदों ने स्पीकर को पत्र लिखकर लोकतांत्रिक संस्थानों को बदनाम करने वाले सांसदों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पत्र में भाजपा की महिला सांसदों ने लिखा, '4 फरवरी, 2026 को माननीय राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के चर्चा के दौरान आपने (लोकसभा स्पीकर ओम बिरला) लोकसभा में गरिमा, मर्यादा और पवित्रता को जिस तरह से बनाए रखा, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हैं और आपकी प्रशंसा करते हैं।'

कर्नाटक में खेला तय!

90 विधायक चाहते हैं शिवकुमार बनें सीएम

» कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन का दावा

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर बयानबाजी तेज है। कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने कहा कि पार्टी के कम से कम 80 विधायकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का नाम हाई कमांड को दिया है। इस बीच, कर्नाटक के डिप्टी सीएम शिवकुमार दो दिनों की नई दिल्ली की यात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं, दिल्ली में उनका पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने का कार्यक्रम है।

समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए इकबाल हुसैन ने कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया द्वारा अपने पिता और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पक्ष में बयान देने की कड़ी आलोचना की और उनसे अनुशासन से काम लेने को कहा है। डीके शिवकुमार को सीएम बनाए जाने के सवाल पर कांग्रेस विधायक हुसैन ने कहा, 'हमने यह मामला हाई कमांड पर छोड़ दिया है। 80-90 विधायकों ने हाई कमांड से डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के लिए मौका देने का अनुरोध किया है।

राजनीति में अनुशासन से लेना होता है काम

इसके साथ ही कांग्रेस विधायक ने कहा, 'हमें यह पसंद नहीं है कि वह (यतींद्र सिद्धारमैया) बार-बार अपने पिता के पक्ष में बोलकर हाई कमांड को शर्मिंदा कर रहे हैं। हर पिता अपने बेटे से प्यार करता है और बेटा अपने पिता से, लेकिन राजनीति में हमें अनुशासन से काम लेना होता है। इस तरह के बयानों से दूसरों को उकसाना नहीं चाहिए।'

बिहार विधान परिषद में सीएम का माइक बंद करने पर बवाल, अशोक चौधरी ने कहा-

नीतीश कुमार जिसे देख लें, वह भस्म हो जाएगा

पटना, एजेंसी

दरभंगा में 6 साल की बच्ची के रेप केस को लेकर बिहार विधान परिषद में हंगामे के बीच अशोक चौधरी का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिसको देख दें, वह भस्म हो जाएगा। दरअसल, दरभंगा रेप केस में विधान परिषद में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस ने सदन के अंदर खूब हंगामा किया। इस दौरान सभी सदस्य वेल के पास तक पहुंच गए थे। वो डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का इस्तीफा मांग रहे थे।हंगामा बढ़ता देख सीएम नीतीश कुमार ने मोर्चा संभाला और सीधे राजद पर हमला बोल दिया।

उन्होंने कहा कि लोगों ने कोई काम नहीं किया है और फालतू में आरोप लगा रहे हैं।इस दौरान नीतीश कुमार और लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी के बीच तू-तू मैं भी हो गई। जिस पर खूब हंगामा हुआ। कहा जा रहा है कि तभी नीतीश कुमार का माइक बंद कर दिया गया। आरजेडी एमएलसी सुनील सिंह ने पूछा कि किसके इशारे पर नीतीश कुमार का माइक बंद किया गया?

किसी मंत्री की इतनी औकात नहीं...

कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार का माइक किसी मंत्री के इशारे पर बंद किया गया था। इस पर जब अशोक चौधरी से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि किसी मंत्री की इतनी औकात नहीं है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का माइक बंद करा दे। नीतीश कुमार एक बार किसी को जोर से देख भी लें तो वह भस्म हो जाएगा, खासकर मंत्री।

मेट्रो एंकर

चैक बाउंस मामले में आत्मसमर्पण करने से पहले बालीवुड एक्टर का छलका दर्द

मेरे पास पैसे नहीं हैं..,यहां कोई दोस्त नहीं: राजपाल यादव

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड फिल्मों में अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाने वाले राजपाल यादव पर इन दिनों मुश्किलों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ वक्त पहले एक चेक बाउंस मामले को लेकर उन्होंने तिहाड़ जेल में सरेंडर किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राजपाल यादव सरेंडर करने से पहले काफी दुखी, भावुक थे। न्यूज एक्स को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'क्या करूं? मेरे पास पैसे नहीं हैं। और कोई रास्ता नहीं दिखता। यहां हम सब अकेले हैं। कोई दोस्त नहीं है। मुझे इस मुश्किल से अकेले ही निपटना होगा।' इस तरह राजपाल यादव ने अपनी परेशानी मीडिया के सामने साझा की है।

पांच करोड़ रुपये लिए थे उधार

राजपाल यादव ने एक कंपनी मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से लगभग 5 करोड़ रुपये उधार लिए थे। कंपनी का कहना है कि राजपाल यादव ने पैसे लौटाने के लिए कई चेक दिए, लेकिन वे सब बाउंस हो गए। कंपनी (M/s मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड) ने राजपाल यादव पर चेक बाउंस का केस किया था। ये चेक फिल्म प्रोडक्शन के लिए दिए गए थे, लेकिन पैसे नहीं मिले।निचली अदालत ने राजपाल यादव को दोषी ठहराया और 6 महीने की जेल की सजा सुनाई। हाई कोर्ट ने पहले उनकी सजा को कुछ समय के लिए रोक दिया था, लेकिन शर्त रखी थी कि वे कंपनी को पैसे चुकाएंगे। कोर्ट में कई बार वादा किया गया, लेकिन राजपाल यादव ने बार-बार पैसे नहीं चुकाए। कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार बहुत गलत है और वे कोर्ट के भरोसे को तोड़ रहे हैं।

तिहाड़ जेल में किया सरेंडर

2 फरवरी को राजपाल यादव को यह निर्देश दिया गया था कि वह सरेंडर करें। अभिनेता के वकील ने कोर्ट को बताया था कि एक्टर ने 50 लाख रुपये का इंतजाम कर लिया है और भुगतान करने के लिए एक हफ्ते का और समय मांगा था। हालांकि, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने सरेंडर करने के लिए समय बढ़ाने की राजपाल यादव की अर्जी खारिज कर दी। फिर अभिनेता ने तिहाड़ जेल में सरेंडर कर दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564